आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

नये जमाने के साथ ...

यश भारत

आपका हर दिन जीवन में बदलाव लाने का बेहतरीन अवसर है।

हर पल रहें ताजा तरीन खबरों के साथ लॉगिंन करें

WWW.yashbharat.co.in

● वर्ष- 15 अंक 257- ● जबलपुर ● बुधवार, 20 अक्टूबर, 2021 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● आश्विन शुक्ल पक्ष -15 ● विक्रम संवत् 2078 शके 1935

विश्वकप विशेष पृष्ठ 7 पर

मानव शरीर में सुअर की किडनी का सफल ट्रांसप्लांट, डॉक्टरों को मिली बड़ी सफलता

वाशिंगटन। वैज्ञानिकों को मानव शरीर में सुअर की किडनी ट्रांसप्लांस करने में बड़ी सफलता मिली है। तमाम परीक्षणों के बाद अब डॉक्टरों ने बताया कि कि मानव शरीर में सुअर की किडनी सुचारू रूप से काम कर रही है और ट्रांसप्लांट पूरी तरह से सफल रहा है। यह बड़ी सफलता अमेरिकी डॉक्टरर्स को मिली है, जिससे अब मानव शरीर में ट्रांसप्लांट करने के लिए मानव अंगों की कमी को दूर किया जा सकता है। ऐसा पहली बार संभव हुआ है जब मानव शरीर शरीर में किसी दूसरे प्राणी की किडनी का सफल प्रत्यारोपण किया गया है। हालांकि इससे पहले भी ऐसे कई प्रयोग किए गए हैं लेकिन शरीर का प्रतिरक्षा तंत्र बाहरी अंगों को स्वीकार नहीं करता है और ट्रांसप्लांट सफल नहीं हो पाता है। लेकिन ऐसा पहली बार हुआ है जब सुअर की किडनी को मानव शरीर में सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित किया गया है और शरीर ने

भी सफलतापूर्णक ग्रहण कर लिया है। इस पूरी परीक्षण प्रक्रिया में न्यू यॉर्क सिटी में एनवाईयू लैंगन हेल्थ में एक सुअर पर परीक्षण किया गया और उसके जीन को सबसे पहले बदला गया, ताकि मानव शरीर सुअर के अंग को खारिज नहीं करें। इसके बाद सुअर की किडनी को एक ब्रैन डेड मरीज में ट्रांसप्लांट कर दिया गया। डॉक्टरों ने बताया कि ब्रैन डेड मरीज की किडनी ने पूरी तरह काम करना बंद कर दिया था और परिवार के सदस्यों ने भी लाइफ सपोर्ट सिस्टम को हटाने से पहले परीक्षण की अनुमति दे दी थी। डॉक्टरों ने बताया कि 3 दिन तक सुअर की किडनी को मानव शरीर की रक्त वाहिकाओं से जोड़कर रखा गया था और जब सफल परिणाम दिखे तो किडनी को ट्रांसप्लांट कर दिया गया। अमेरिका में यूनाइटेड नेटवर्क फॉर ऑर्गन शेयरिंग के मुताबिक फिलहाल दुनियाभर में 107000 लोग ऑर्गन ट्रांसप्लांट का इंतजार कर रहे हैं और इसमें भी करीब 90 हजार ऐसे लोग हैं, जो सिर्फ किडनी ट्रांसप्लांट कराना चाहते हैं। एक किडनी ट्रांसप्लांट कराने के लिए औसतन करीब 3 से 5 साल का इंतजार करना पड़ता है।

कुशीनगर एयरपोर्ट का शुभारंभ

कुशीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज (बुधवार) उत्तर प्रदेश के कुशीनगर एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया मौजूद रहे हैं। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा भारत विश्व भर के बौद्ध समाज की श्रद्धा, आस्था, प्रेरणा का केंद्र है। उन्होंने कहा, कुशीनगर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे की ये सुविधा एक प्रकार उनकी श्रद्धा को अर्पित पुष्पांजलि है। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध से जुड़े स्थानों को विकसित करने के लिए, बेहतर कनेक्टिविटी के लिए, श्रद्धालुओं की सुविधाओं के निर्माण पर भारत द्वारा आज विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कुशीनगर का विकास, यूपी सरकार और केंद्र सरकार की प्राथमिकताओं में है। पीएम मोदी ने कहा, उड़ान योजना के तहत बीते कुछ सालों में 900 से अधिक नए रूट्स को स्वीकृति दी जा चुकी है। इनमें से 350 से अधिक पर हवाई सेवा शुरु भी हो चुकी है। 50 से अधिक नए एयरपोर्ट या जो पहले सेवा में नहीं थे, उनको चालू किया जा चुका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश का एविएशन सेक्टर प्रोफेशनली चले, सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता मिले, इसके लिए हाल में एयर इंडिया से जुड़ा बड़ा कदम देश ने उठाया है। ऐसा ही एक बड़ा रिफॉर्म डिफेंस एयरस्पेस को सिविल यूज के लिए खोलने से जुड़ा है। वहीं केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि देश में 70 साल में केवल 74 एयरपोर्ट थे। सात साल के अंदर 54 हवाईअड्डे स्थापित कर, आज भारत में 128 एयरपोर्ट स्थापित हो चुके हैं। उन्होंने कहा, दिल्ली और कुशीनगर के बीच की डायरेक्ट फ्लाइट की शुरुआत 26 नवंबर से होगी। कुशीनगर को 18 दिसंबर को मुंबई के साथ जोड़ा जाएगा और कुशीनगर को कोलकाता के साथ भी जोड़ा जाएगा

फटाफट खबरें

आश्रम 3: बॉबी देओल समेत बाकी स्टारकास्ट भोपाल में

भोपाल। कोरोना का प्रकोप कम होने के बाद अब राजधानी भोपाल में फिल्मकार अपने लंबित प्रोजेक्ट्स की शूटिंग के लिए पुन: आने लगे हैं। विगत मंगलवार को वेब सीरीज आश्रम के तीसरे सीजन की शूटिंग के लिए अभिनेता बॉबी देओल के साथ-साथ दर्शन कुमार, चंदन सान्याल, त्रिधा चौधरी और प्रीति सूद सहित बाकी स्टारकास्ट भी भोपाल पहुंची। प्रकाश झा द्वारा निर्देशित इस वेब सीरीज का कुछ हिस्सा भोपाल की विभिन्न खूबसूरत लोकेशनों पर फिल्माया जाएगा।

मध्य प्रदेश में बारिश के आसार अब कम, रात में ठंड का बढ़ेगा जोर

भोपाल। मध्य प्रदेश में दो दिन तक सक्रिय रहा कम दबाव का क्षेत्र कमजोर पड़कर हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात के रूप में तब्दील हो गया है। वर्तमान में यह सिस्टम उत्तर प्रदेश के मध्य में बना हुआ है। इस वजह से अब प्रदेश में बारिश होने की संभावना काफी कम हो गईं हैं। उधर हवा का रुख उत्तरी होने से अब रात के तापमान में गिरावट होगी। हालांकि आसमान साफ होने से धूप निकलने के कारण अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी भी होने लगेगी।

केरल के 11 जिलों में आरेंज अलर्ट उत्तराखंड में तबाही

नई दिल्ली। उत्तर भारत समेत केरल राज्य में भारी बारिश के कारण मरने वालों की संख्या बढ़ रही है। उत्तराखंड व केरल में बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं ने भारी क्षति पहुंचाई है। इन दोनों राज्यों में अभी तक 76 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। उत्तर भारत में कई दिनों तक भारी बारिश के कारण भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ में कम से कम 41 लोगों की मौत हो गई। उत्तराखंड के नैनीताल क्षेत्र में ही मंगलवार तड़के सात अलग-अलग घटनाओं में कम से कम 30 की मौत हो गई। दक्षिणी भारतीय राज्य केरल में भारी बारिश के कारण भूस्खलन से कम से कम 35 लोग मारे गए हैं। सेना और नौसेना के बचाव अभियान जारी हैं। राज्य में मानसून के मौसम में हर साल बाढ़ आती है।

लखीमपुर खीरी की घाघरा नदी में पलटी नाव, 10 लोग बहे

लखीमपुर। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर जिले में बुधवार को बड़ा हादसा हुआ है। यहां घाघरा नदी में एक नाव पलटने की सूचना है। नाव पर सवार 10 लोग बह गए हैं। मौके पर बचाव कार्य जारी है। जानकारी के अनुसार, लखीमपुर खीरी जिले की धौरहरा तहसील के थाना ईसानगर इलाके के मिर्जापुर गांव में यह घटना हुई है। बताया जा रहा है कि बुधवार की सुबह एक नाव घाघरा नदी में पलट गई। नाव पर सवार 10 लोग घाघरा नदी में बह गए हैं। यह संख्या घट या बढ़ भी सकती है। घटना की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक घटनास्थल की ओर रवाना हो गए हैं।

तमिलनाडु सरकार के फैसले का विरोध

मंदिरों का 2138 किलो सोना गलाने की तैयारी

चेन्नई। तमिलनाडु की एमके स्टालिन सरकार मंदिरों के करीब 2138 किलो सोने को पिघलाने की तैयारी कर रही है और राज्य सरकार के इस फैसले को अब विरोध भी होने लगा है। राज्य सरकार के इस आदेश को अब मद्रास उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई है। याचिकाकर्ता ने सरकार के इस फैसले को अवैध बताया है। याचिकाकर्ताओं का दावा है कि मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए जाने वाले सोने का सही ऑडिट किए बगैर जल्दबाजी में कदम उठा रही राज्य सरकार की मंशा पर भी सवाल उठते हैं। राज्य सरकार का कहना है कि मंदिर में रखे सोने को पिघलाकर सोने की छड़ में बदलने का अधिकार है और यह प्रक्रिया 50 साल से चल रही है। लेकिन स्टालिन सरकार का यह फैसला तमिलनाडु में बड़े विवाद का कारण बना हुआ है। मंदिरों में आस्था रखने वाले लोगों सरकार के इस फैसले पर सवाल उठा रहे हैं। याचिकाकर्ताओं, एवी गोपाल कृष्णन और एमके सरवनन ने हाईकोर्ट को जानकारी ही है कि सरकार का आदेश न केवल हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिनियम, प्राचीन स्मारक अधिनियम, गहना नियम आदि का उल्लंघन है, बल्कि उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ भी है। . . हाईकोर्ट ने इसी साल 7 जून को मंदिर की संपत्ति के मूल्यांकन और उसके रिकॉर्ड की रिकॉर्डिंग का आदेश दिया था। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि तमिलनाडु में पिछले 60 साल से ऐसा नहीं हो रहा है। राज्य सरकार ने एक उचित ऑडिट करने के बजाय देवताओं की सजावट में उपयोग किए जाने वाले बड़े गहनों के अलावा सोने के गहने और अन्य वस्तुओं को पिघलाने की घोषणा की। सरकार ने 2138 किलो सोने को पिघलाने की योजना बनाई है।

ब्रिटेन में फिर से कोरोना का कोहराम

लंदन। भारत में संभलते कोरोना संक्रमण के बीच एक डराने वाली खबर सामने आई है। दरअसल, ब्रिटेन में कोरोना के डेल्टा वैरिएंट का म्यूटेटेड वर्जन कोहराम मचा रहा है। 11 अक्टूबर के बाद से वहां प्रतिदिन 40 हजार के ऊपर कोरोना संक्रमित सामने आ रहे हैं। सोमवार को तो यहां 48 हजार से ऊपर मामले दर्ज किए गए। ऐसे में एक बार फिर बेकाबू होता कोरोना संक्रमण भारत के लिए खतरे की घंटी हो सकता है।

आधी आबादी वैक्सीनेटेड फिर भी बढ़ रहा कोरोना

ब्रिटेन में आधी से ज्यादा आबादी कोरोना वैक्सीन के दोनों डोज ले चुकी है। यहां बूस्टर डोज भी लगना शुरू हो गया है। इसके बावजूद यहां कोरोना का म्यूटेटेड वर्जन तेजी से संक्रमण फैला रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह वर्जन डेल्टा वैरिएंट से भी 10 गुना ज्यादा संक्रामक हो सकता है। हालांकि, वैज्ञानिकों का कहना है कि यह कहना जल्दबाजी होगा कि यह वैरिएंट डेल्टा से ज्यादा खतरनाक है और सामान्य टेस्ट से इसकी पहचान नहीं हो सकती। ब्रिटेन में आधी से ज्यादा आबादी पूरी तरह से या फिर आंशिक तौर पर वैक्सीनेटेड हो चुकी है। यहां एस्ट्राजेनेका वैक्सीन का प्रयोग किया जा रहा है।

आर्यन खान ने ड्रग्स को लेकर की थी बॉलीवुड एक्ट्रेस के साथ बात

जमानत के फैसले के बीच बढ़ी आर्यन की मुश्किल

मुंबई। क्रूज ड्रग्स पार्टी मामले में गिरफ्तार आर्यन खान की जमानत याचिका पर बुधवार 20 अक्तूबर को गुरुवार को सेशन कोर्ट में सुनवाई होगी। इससे पहले 14 अक्तूबर को सेशंस कोर्ट में जज ने वकीलों की मामले में दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। वहीं, सुनवाई से पहले नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के हाथ बड़ा सबूत लगा है। दरअसल, एनसीबी को आर्यन खान कुछ और चैट्स मिली है। इस चैट्स में आर्यन मुंबई क्रूज पार्टी में शामिल होने वाली एक बॉलीवुड अभिनेत्री से ड्रग्स पर चर्चा कर रहे थे। आज आर्यन खान की जमानत पर सुनवाई से पहले एनसीबी ने यह चैट मैसेजेस भी कोर्ट को सौंप दिए हैं।

चांदी की पायल के लिए कुल्हाड़ी से काट डाले पैर

जयपुर। राजस्थान के जयपुर में लूट के लिए महिला की बर्बर तरीके से हत्या कर दी गई। दिनदहाड़े हुई इस हत्या से पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। बताया जा रहा है कि लुटेरे महिला के दोनों पैर काटकर चांदी की पायल लूट ले गए। पुलिस का कहना है कि घटना जमवा रामगढ़ इलाके की है। मृतक की पहचान गीता देवी के रूप में हुई है, जो खेतहपुरा गांव की रहने वाली है। महिला के सिर पर कुल्हाड़ी से वार करके उसकी हत्या की और पैर काटकर पायलें भी निकाल लीं।

शोपियां में सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को किया ढेर, पूरे इलाके की घेराबंदी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। शोपियां मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों मार गिराया है। सुराक्षबलों ने पूरे इलाके को घेराबंदी कर रखी है। साथ ही तलाशी अभियान जारी है। जानकारी के अनुसार, खुफिया एजेंसियों को दक्षिण कश्मीर में शोपियां जिले के चीरबाग द्रगाड इलाके में आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली, जिसके बाद पुलिस, सेना और सीआरपीएफ की एक संयुक्त टीम ने चीरबाग द्रगाड गांव में घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया। आतंकियों ने खुद को घिरा देख सुरक्षबलों पर फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने आतंकियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन आतंकी लगातार सुरक्षाबलों पर गोलीबारी करते रहे। सुरक्षाबलों ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया और दो आतंकियों मार गिराया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि क्षेत्र में छिपे हुए आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी थी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हुई और आतंकियों को मार गिराया।

दुष्कर्म के आरोप में फरार करण मोरवाल पर इनाम बढ़ाकर 25 हजार किया

इंदौर। दुष्कर्म के आरोप में फरार चल रहे बड़नगर के कांग्रेसी विधायक मुरली मोरवाल के बेटे करण मोरवाल पर इंदौर पुलिस का शिकंजा कसता जा रहा है। इंदौर पुलिस करण पर इनाम की राशि बढ़ाकर 25 हजार रुपये कर दी है। करण पर इंदौर के राजेन्द्र नगर क्षेत्र में रहने वाली महिला नेत्री ने दुष्कर्म का आरोप लगाया था और केस दर्ज कराया था। करण दुष्कर्म के मामले में छह महीने से फरार है। इंदौर पुलिस ने उसे भगौड़ा घोषित कर दिया है। करण की तलाश इंदौर पुलिस की क्राइम ब्रांच, महिला थाना पुलिस के साथ ही बड़नगर पुलिस कर रही है।

एनआईए की 11 स्थानों पर छापेमारी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में हाल ही में हुए आतंकी हमलों की साजिश रचने के मामले में नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने 11 जगहों पर छापेमारी की। इस छापेमारी के तहत श्रीनगर में चार जगह, बारामूला में दो जगह, पुलवामा में एक जगह, अवंतीपोरा में दो जगह, सोपोर में एक जगह और कुलगाम में एक जगह शामिल है। इससे पहले 10 अक्तूबर यानी रविवार को भी एनआईए ने जम्मू-कश्मीर में 16 जगहों पर छापा मारा था। एनआईए ने कुलगाम, बारामुला, श्रीनगर, अनंतनाग में कार्रवाई की थी। जानकारी के अनुसार, वॉयस ऑफ हिंद पत्रिका से जुड़े मामलों में यह कार्रवाई की गई है। टीआरएफ (द रेजिस्टेंस फ्रंट) के कमांडर सज्जाद गुल के घर पर भी अधिकारियों ने छापा मारा।

राजधानी काबुल में जोरदार धमाका

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल स्थित देहमाजांग चौक के पास आज सुबह एक जोरदार धमाका हुआ। इस घटना में कितने लोग हताहत हुए हैं इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। वहीं तालिबान प्रशासन ने भी मृतकों की संख्या बताने से फिलहाल इनकार कर दिया है। स्थानीय निवासी ने कहा कि देहमाजांग इलाके में सुबह 7.50 बजे एक जोरदार धमाका सुनाई दिया

लखीमपुर हिंसा पर सुको की फटकार

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में हुई हिंसा मामले पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सुनवाई जारी है। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने में देरी पर यूपी सरकार को जमकर फटकार लगाई। शीर्ष अदालत ने कहा कि कल रात एक बजे तक इंतजार करते रहे। आपकी स्टेटस रिपोर्ट हमें अंतिम समय में मिली है। जबकि पिछली सुनवाई के दौरान हमने आपको साफ कहा था कि कम से कम एक दिन पहले हमें स्टेटस रिपोर्ट मिल जानी चाहिए। वहीं इसके जवाब में यूपी सरकार की तरफ से पेश वकील हरीश साल्वे ने कहा कि हमने प्रगति रिपोर्ट दाखिल की है। आप मामले की सुनवाई शुक्रवार तक टाल दीजिए। हालांकि, शीर्ष अदालत ने सुनवाई टालने से इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश एनवी रमन्ना ने यूपी सरकार से पूछा कि आपने 44 लोगों की गवाही ली है, बाकी की क्यों नहीं? साल्वे ने इस पर जवाब देते हुए कहा कि फिलहाल प्रक्रिया चल रही है।

17 साल बाद बदलने वाला है फेसबुक का नाम

वेब डेस्क। पिछले 17 सालों से फेसबुक एक ही नाम से जाना जाता रहा है, लेकिन अब इसकी री-ब्रांडिंग की तैयारी चल रही है। खबर है कि फेसबुक का नाम बदलने वाला है और इसका आधिकारिक एलान जल्द ही फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग करने वाले हैं। अगले सप्ताह फेसबुक के एक इवेंट में नए नाम का एलान हो सकता है। द वर्ज की रिपोर्ट के मुताबिक 28 अक्तूबर को फेसबुक का एक कॉन्फ्रेंस होने वाला है जिसमें मार्क जुकरबर्ग फेसबुक के नए नाम का एलान कर सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि फेसबुक एप के अलावा कंपनी के अन्य प्रोडक्ट जैसे Instagram, WhatsApp, Oculus आदि के नाम को लेकर भी बड़े एलान हो सकते हैं, हालांकि इस रिपोर्ट पर फेसबुक

की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है। इस सप्ताह की शुरुआत में ही फेसबुक ने कहा था कि वह अब मेटावर्स कंपनी बनने जा रही है जिसके लिए उसने 10 हजार लोगों को नियुक्ति की है और भविष्य में अन्य नियुक्तियां भी होंगी। मेटावर्स का मतलब एक आभासी दुनिया से है जिसमें लोग फिजिकली मौजूद ना होते हुए भी मौजूद रहेंगे। मेटावर्स शब्द वर्चुअल रियलिटी और ऑग्युमेंट रियलिटी जैसा ही है। मेटावर्स में केवल फेसबुक ही नहीं, बल्कि दुनिया की बड़ी टेक कंपनियां निवेश कर रही हैं। मार्क जुकरबर्ग का मानना है कि आने वाले समय में लोग फेसबुक को सिर्फ एक सोशल मीडिया कंपनी नहीं, बल्कि एक मेटावर्स कंपनी के रूप में जानें।

नारायण साई को झटका पेरोल देने पर लगाई रोक

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को दुष्कर्म के मामले में दोषी, आसाराम बापू के बेटे नारायण साई को 14 दिन की फरलो दिए जाने के गुजरात उच्च न्यायालय के आदेश को बुधवार को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना की पीठ ने सुनवाई करते हुए कहा कि फरलो कोई पूर्ण अधिकार नहीं है और इसे देना कई कारकों पर निर्भर करता है। अदालत ने कहा कि साई की कोठरी से एक मोबाइल फोन मिला था, इसलिए जेल अधीक्षक ने राय दी थी कि उसे फरलो नहीं दी जानी चाहिए।

शरद पूर्णिमा के दिन हुआ था आचार्य विद्यासागर का जन्म

22 की उम्र में ले ली थी दीक्षा, परिवार के सभी लोग ले चुके हैं सन्यास

जबलपुर। तिलवारा दयोदय में ठहरे आचार्य विद्यासागर 75 वर्ष के हो जाएंगे। उनका जन्म शरद पूर्णिमा के दिन हुआ था। 22 साल की उम्र में दीक्षा ले ली थी। बाद में परिवार के सभी लोग संन्यास ले चुके हैं। उनके जीवन से जुड़े ऐसे कई बातें हैं, जो लोगों को आश्चर्य में डाल सकता है। आचार्य विद्यासागर का जन्म 10 अक्टूबर 1946 को विद्याधर के रूप में कर्नाटक के बेलगांव जिले के सदलगा में शरद पूर्णिमा के दिन हुआ था। उनके पिता मल्लप्पा थे जो बाद में मुनि मल्लिसागर बने। जबकि मां श्रीमंती बाद में आर्यिका समयमति बन गई।

विद्यासागर महाराज 30 जून 1968 में अजमेर में 22 की उम्र में आचार्य ज्ञानसागर से दीक्षा ली, जो आचार्य शांतिसागर के शिष्य थे।

1972 में आचार्य का मिला था पद

आचार्य विद्यासागर को 22 नवंबर 1972 को ज्ञानसागर जी द्वारा आचार्य पद दिया गया था। सिर्फ विद्यासागर महाराज के बड़े भाई गृहस्थ है। उनके अलावा घर के सभी लोग संन्यास ले चुके है। उनके भाई अनंतनाथ और शांतिनाथ ने आचार्य विद्यासागर जी से दीक्षा ग्रहण की और मुनि योगसागर और मुनि समयसागर कहलाए।

कई भाषाओं की जानकारी

आचार्य विद्यासागर संस्कृत, प्राकृत सहित विभिन्न आधुनिक भाषाओं हिन्दी, मराठी और कन्नड़ में विशेषज्ञ स्तर का ज्ञान रखते हैं। उन्होंने हिन्दी और संस्कृत के विशाल मात्रा में रचनाएं की हैं। सौ से अधिक शोधार्थियों ने उनके कार्य का मास्टर्स और डॉक्ट्रेट के लिए अध्ययन किया है। उनके कार्य में निरंजना शतक, भावना शतक, परीषह जाया शतक, सुनीति शतक और शरमाना शतक शामिल हैं।

आचार्य विद्यासागर के बारे में रोचक जानकारी

- कोई बैंक खाता या ट्रस्ट नहीं है। आजीवन चीनी, चटाई, हरी सब्जी, फल, अंग्रेजी दवा का त्याग कर चुके हैं।*
- सीमित ग्रास भोजन, अंजुली भर जल, 24 घंटे में एक बार 365 दिन करते हैं।*
- दही, मेवा, तेल, भौतिक साधनों का त्याग कर चुके हैं।*
- थूकने का त्याग, एक करवट में शयन, बिना चादर, गद्दे, तकिए का त्याग।*
- सिर्फ तखत का उपयोग, शहर से दूख खुले मैदानों में नदी के किनारे या पहा ?ों पर अपनी साधरना करते हैं।*
- अनियत विहार मतलब बिना बताए विहार करना।*
- हजारों गाय की रक्षा , गौशाला समाज ने बनाई।*
- हजारों बालिकाओं के लिए संस्कारित आधुनिक स्कूल।*
- लगभग सौ मुनिराज, दो सौ आर्यिका माताएं बाल ब्रह्मचारी हैं।*

काव्य मूक माटी की भी रचना की है

उन्होंने काव्य मूक माटी की भी रचना की है। विभिन्न संस्थानों में यह स्नातकोत्तर के हिन्दी पाठ्यक्रम में पढ़ाया जाता है। आचार्य विद्यासागर के शिष्य मुनि क्षमासागर ने उन पर आत्मान्वेषी नामक जीवनी लिखी है। इस पुस्तक का अंग्रेज़ी अनुवाद भारतीय ज्ञानपीठ द्वारा प्रकाशित हो चुका है। मुनि प्रणम्यसागर ने उनके जीवन पर अनासक्त महायोगी नामक काव्य की रचना की है।

शरद पूर्णिमा आज

16 कलाओं से परिपूर्ण नजर आएगा चांद

जबलपुर। अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को शरद पूर्णिमा मनाई जाती है। शरद पूर्णिका का पर्व इस बार आज मनाया जा रहा। इस दिन मां लक्ष्मी और चंद्रमा की पूजा की जाती है। मान्यताओं के अनुसार शरद पूर्णिमा की रात्रि चांद 16 कलाओं से परिपूर्ण होता है। चंद्रमा से निकलने वाली रोशनी अमृत के समान होती हैं। इस रात देवी लक्ष्मी पृथ्वी पर आती है। वह भक्तों से खुश होकर उन्हें आर्शीवाद देती हैं। कहा जाता है कि विधि-विधान से पूजा करने से मां खुश होती है। वह जातकों पर कृपा बरसाती है। पूजा के दौरान देवी लक्ष्मी को पान का पत्ता, कमल, गंध, अक्षत, तांबूल, दीप, सुपारी और दक्षिणा अर्पित करें। वह सफेद रंग की मिठाई का भोग लगाएं। रात में खीर बनाएं और आधी रात्रि भगवान को अर्पित करें। फिर चांदी के बर्तन में रखकर चंद्रमा की रोशनी में रखें। दूसरे दिन उसे उसे खाएं और दूसरों को भी दें। शरद पूर्णिमा के व्रत में कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। फल और जल का सेवन करते व्रत रखा जाता है। रात्रि सात्विक भोजन ग्रहण करें। पूजा में काले रंग के कपड़े नहीं पहनने। शरद पूर्णिमा के दिन सफेद रंग के वस्त्र पहनना शुभ माना गया है।

बात्री साहू समाज का शरद पूर्णिमा एवं मिलन समारोह

जबलपुर। बात्री साहू समाज जबलपुर के तत्वावधान में श्री जगदीश स्वामी कर्मा माई शंकर भगवान मंदिर ट्रस्ट लार्डगंज जबलपुर नव निर्वाचित ट्रस्ट पदाधिकारियों व प्रतिनिधियो सदस्यों द्वारा बात्री साहू समाजजबलपुर का मिलन व शरद पूर्णिमा समारोह का आज 20 अक्टूबर शाम 7: 00 श्री नन्हाई चौधरी साहू धर्मशाला गढा फ टक जबलपुर में आयोजित किया गया ह। जिसमें उपस्थिती की अपील प्रकाश चंद्र साहू,सीताराम साहू , राजू साहू आदि ने की है।

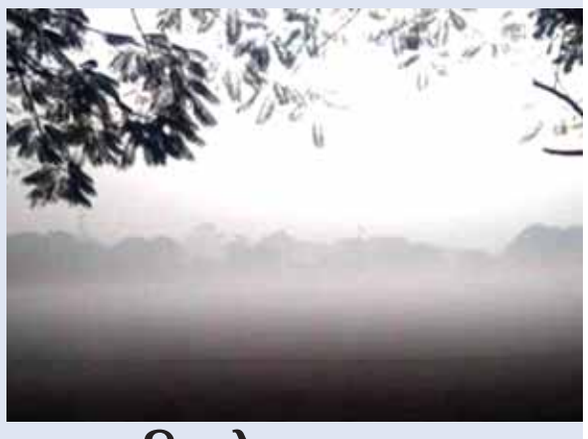

अब बारिश के आसार अब कम ठंड की दस्तक

जबलपुर। हवा का रुख उत्तरी होने से अब दिन और रात के तापमान में गिरावट होने लगी है । दो दिन तक सक्रिय रहा कम दबाव का क्षेत्र कमजोर पड़कर हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात के रूप में तब्दील हो गया है। वर्तमान में यह सिस्टम उत्तर प्रदेश के मध्य में बना हुआ है। इस वजह से अब प्रदेश में बारिश होने की संभावना काफी कम हो गई हैं। मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि मंगलवार को अधिकतम तापमान 30.6 डिग्रीसेल्सियस दर्ज हुआ। यह सामान्य से1 डिग्रीसे. कम रहा। जबकि आज का न्यूनतम तापमान 19.9 डिग्रीसेल्सियस दर्ज हुआ। यह सामान्य से1 डिग्रीसे. कम रहा वेदर सिस्टम के उप्र चले जाने से बारिश की गतिविधियों में कमी आने लगी है। वर्तमान में हवा का रुख उत्तरी, उत्तर-पश्चिमी हो गया है। उधर आसमान धीरे-धीरे साफ होने से धूप निकलने लगी है। पश्चिमी विक्षोभ के असर से उत्तर भारत के पहाड़ों में भारी बारिश हो रही है। पिछले दिनों वहां बर्फबारी भी हुई है। हवाओं का रुख उत्तरी होने से दो दिन बाद प्रदेश के अधिकांश जिलों में न्यूनतम तापमान 20 डिग्रीसे. से नीचे पहुंचने की संभावना है। ग्रफिलहाल गत दिनों अचानक हुई बारिश के चलते दिन के साथ ही रात के तापमान में गिरावट आ गई है। वहीं वातावरण में हल्की ठंड का अहसास होने लगा है। मौसम विभाग की माने हवा की दिशा दक्षिण पश्चिम से उत्तर पश्चिम की हो गई है। आने वाले दिनों में हवा का रूख पूरी तरह से उत्तरी हो जाएगा और तब ठंड का असर धीरे-धीरे तेज हो जाएगा। दक्षिण पश्चिम मध्यप्रदेश के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र से सोमवार को जबलपुर सहित संभाग के अन्य जिलों में हुई जोरदार बारिश के के चलते लोगों को सूरज की तेज तपन के साथ ही उसम भरी गर्मी से निजात मिल गई है। धूप में हल्कापन महसूस किया जा रहा है। वहीं उसम से भी काफी हद तक राहत मिली है। दिन का अधिकतम तापमान मामूली गिरावट के साथ 30 और न्यूनतम 22 डिग्री सेल्सियस के करीब आ गया है।

जिला स्तरीय प्री.डी.सी. चयन प्रतियोगिता कल

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना जिला जबलपुर के तत्वाधान में कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा विभाग जबलपुर संभाग,प्रो. लीला भलावी, कुलसचिव, प्रो.बृजेश सिंह, अग्रणी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. आभा पांडे तथा कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अशोक मराठे के मार्गदर्शन एवं डॉ. अभिजात कृष्ण त्रिपाठी प्राचार्य,श्रीजानकीरमण महाविद्यालय, जिला संगठक डॉ. आनंद सिंह राणा, डॉ. देवांशु गौतम, डॉ. रश्मि टंडन तथा डॉ. शिवचंद वल्के के निर्देशन में दिनांक 21-10 - 2021 को को प्रात: 10ः00 बजे से शासकीय शासकीय अग्रणी महाकौशल महाविद्यालय के प्रांगण में जिला स्तरीय पूर्व गणतंत्र दिवस परेड चयन प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में जबलपुर जिले की राष्ट्रीय सेवा योजना की लगभग 50 इकाइयों में प्रत्येक इकाई से 4 चयनित स्वयंसेवक सहभागिता करेंगे। जिले स्तर पर 30 प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा।

मां नर्मदा में स्वच्छता के संकल्प के साथ स्वर्ण कलश परिक्रमा

हरे कृष्ण आश्रम भेड़ाघाट से कार्तिक पूर्णिमा 19 नवंबर को नर्मदा पंचकोसी परिक्रमा

जबलपुर । हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट में शरद पूर्णिमा के पावन पर्व पर मां नर्मदा में स्वच्छता के संकल्प के साथ स्वर्ण कलश परिक्रमा आयोजित की गई द्य इस अवसर पर आश्रम के संस्थापक स्वामी रामचंद्र दास महाराज ने कहा कि माँ नर्मदा जीवनदायिनी है यह एकमात्र नदी है जिसे हम मां की तरह पूजते हैं और परिक्रमा करते हैं द्य उन्होंने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा 19 नवंबर को मां नर्मदा पंचकोशी महाकुंभ और परिक्रमा आयोजित की जाएगी द्य इस अवसर पर नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉ. सुधीर अग्रवाल योगाचार्य डॉ .शिव शंकर पटेल , आचार्य पंडित मनमोहन दुबे, सत्यप्रकाश नामदेव ,सुरेश विश्वकर्मा, श्याम मनोहर पटेल , जगदीश तिवारी, मोहित, देवी दादा , आशीष तिवारी आदि की उपस्थिति रही ।

9 दिन में 9,702 लोगों ने किए ऑनलाइन देवी दर्शन

जबलपुर, । कलेक्टर कर्मवीर शर्मा के निर्देशन में नवरात्रि पर्व के दौरान सभी नागरिकों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जिले के प्रमुख दुर्गा मंदिर के आनलाइन दर्शन की व्यवस्था की गई थी। यह व्यवस्था शुरू करने का मुख्य उद्देश्य कोविड गाइड लाइन का पालन करना भी था। कलेक्टर ने जिले के सभी नागरिकों एवं श्रद्धालुओं से आग्रह भी किया था कि वह अपने घर पर भी सुरक्षित रहकर प्रमुख दुर्गा मंदिरों के आनलाइन दर्शन करें। आनलाईन दर्शन, जिला प्रशासन जबलपुर की वेबसाइट jabalpur.nic.in के मुख्य पृष्ठ में दिए हुए लिंक पर क्लिक कर किए जा सकता था। जिला सूचना विज्ञान अधिकारी आशीष शुक्ला ने बताया कि इस नवरात्र में आनलाईन दर्शन की व्यवस्था में तेवर स्थित त्रिपुर सुंदरी माता मंदिर, सदर स्थित काली माता मंदिर, बड़ी खेरमाई माता मंदिर-हनुमानताल, बंगाली क्लब परिसर स्थित काली माता मंदिर एवं छोटी खेरमाई मंदिर मानस भवन को जोड़ा गया है। इस दौरान 9,702 लोगों ने किए ऑनलाइन देवी दर्शन किये।

हेल्प डेस्क एक कदम महाकोशल अंचल में

जबलपुर। एम एस एम ई की प्रगति उन्नति एवं विस्तार हेतु महाकोशल चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा जबलपुर एवं महाकोशल अंचल के आर्थिक विकास के क्रम में उद्योग एवं व्यापार एम एस एम ई के विकास को गतिशील करने की दिशा मेंशिक्षित युवाओ के स्वरोजगार हेतु प्रोत्साहित करने महाकोशल अंचल के युवाओं को स्टार्टअप से जोड़ने के साथ ही अपना नया उद्योग एवं व्यापार प्रारंभ करने के इच्छुक उद्यमियों को भी मार्गदर्शन प्राप्त कराने के साथ पूर्व से संचालित उद्योग एवं व्यापार में आ रही समस्याओं के समाधान सहितउनको बदलती वर्तमान परिस्थितियों में आधुनिकीकरण की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में हेल्प डेस्क के माध्यम से एक कार्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है। यह जानकारी अध्यक्ष रवि गुप्ता,शंकर नागदेव ने पत्रवार्ता में दी इस मौके पर हेमराज अग्रवाल,अखिल मिश्रा व अनूप अग्रवाल मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि हेल्प डेस्क का शुभारंभ 21 अक्टूबर को अपरान्ह 3:30 बजे संभागीय आयुक्त जबलपुर बी चंद्रशेखर आईएएएसण् के मुख्य आतिथ्य एवं कर्मवीर शर्मा आई ए एस् जिलाध्यक्ष जबलपुर के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न होने जा रहा है । चेम्बर का हेल्प डेस्क हर सोमवार से शुक्रवार को शाम 4 बजे से 6 बजे चेम्बर भवन में विषय के जानकार विशेषज्ञों की उपस्थिति में कार्यरत रहेगा । इच्छुक व्यक्ति अपना पंजीयन कराकर इस सुविधा का लाभ प्राप्त कर सकेगा साथ ही साथ प्रयास होगा कि शनिवार एवं रविवार को औद्योगिक व व्यापारिक विषयों पर सेमिनार तथा कार्यशाला का आयोजन किया जाये। इस हेल्प डेस्क के माध्यम से उद्योग व्यापार आरंभ करने वालो को वर्तमान में लागू सरकारी योजनाओं और नीतियों की जानकारी के साथ भूमि आवंटन सब्सीडी स्पोटसिस्टम,प्रोजेक्ट.एडवाईजरी,डिजाइनिंग,मैने जमेंटएबिजनेस.अपग्रेडेशन,ग्लोबलाइजेशन,फाइनें शिय डिजिटलाईजेशन के साथ आई टी ट्रांन्सफ ारमेशन इन बिजनेस,काम्प्लायिंस, ऑनलाइन मार्केटिंग के साथ रिस्क मैनेजमेंट की जानकारी भी हेल्प डेस्क पर दी जावेगी इसके साथ ही विशेषज्ञों द्वारा सेमिनार और कार्यशालाये आयोजित कर भी दी जायेगी। यह भी प्रयास किया जा रहा है की विभिन्न बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिनिधि भी हेल्प डेस्क के माध्यम से वित्तीय सहायता के इच्छुक व्यक्तियों के लिए उपस्थित रहे।

शुभारंभ कल अपरान्ह 3 : 30 बजे

लेखनी के माध्यम से समाज को जागरूक

पत्रकारिता की पुरानी एवं नई पीढ़ी के बीच श्री अजित वर्मा सेतु बने रहे

जबलपुर। संस्कारधानी की पत्रकारिता को एक नया स्वरूप देने वाले शहर के वरिष्ठ पत्रकार स्व.अजित वर्मा की प्रथम पुण्यतिथि पर बड़ी संख्या में पत्रकारिता जगत, राजनैतिक और सामाजिक संस्थाओं के लोग मौजूद रहे। उनके निवास पर एकत्रित हुए शहर के पत्रकारिताए राजनैतिकए और सामाजिक संस्थाओं से जुड़े लोगों ने उन्हें याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान सभी ने श्री अजित वर्मा के बताए रास्तों पर चलने का संकल्प लेते हुए युवा पीढ़ी के पत्रकारों के लिए प्रेरणा बताया। पचास वर्षों की अपनी पत्रकारिता में स्वण् श्री अजित वर्मा ने कई उतार चढ़ाव वाले पल देखे लेकिन फिर भी उनका विश्वास नहीं डगमगाया और वे साहस और ईमानदारी से पत्रकारिकता के क्षेत्र में अपनी लेखनी के माध्यम से समाज को जागरूक किया। वे पत्रकारिता की पाठशाला और एक संस्था भी थे।

पुण्यतिथि कार्यक्रम में विधायक विनय सक्सेना,डॉ जितेन्द्र जामदार, रविन्द्र बाजपेयी, मोहन शशि, चैतन्य भट्ट,सूरज जायसवाल,धीरज पटेरिया, वरिष्ठ अधिकारी जगदीश जटिया, कलाकार मुरलीधर नागराज आदि ने अपने विचार व्यक्त करते हुए श्री अजित वर्मा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व तथा उनकी उल्लेखनीय सेवाओं पर प्रकाश डाला।

वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वण् श्री अजित वर्मा की लेखनी में ना सिर्फसमाज और शहर की जानकारी मिलती थी बल्कि दूसरे देशों से हमारे देश के कैसे संबंध है इसकी जानकारी भी मिलती थी। सरकारी नौकरी छोड़कर पत्रकारिता की राह पर चलने वाले श्री अजित वर्मा ने कई अखबारों में अपनी सेवाएँ दी। वक्ताओं ने यह भी कहा कि स्व.श्री अजित वर्मा लेखन कला के धनी थेए उन्होंने जिस विषय को पकड़ा उसमें डूब कर लिखा। यहीं कारण है कि उनकी लेखनी न सिर्फ जबलपुर बल्कि भोपालए दिल्ली तक खबर पहुँचती थी। शहर के से जुड़े तमाम विषयों को उन्होंने लेखनी के माध्यम से लोगों तक पहुँचाया। वे ऐसी शख्सियत पत्रकारिताए सांस्कृतिक की धुरी थे। उनके जैसी मधुरता और मित्रता आज कम ही लोगों में देखने को मिलती है। वहीं शहर में भ्रष्टाचार की लड़ाई में हमेशा ही उनका मार्गदर्शन मिलता रहा। उन्होंने अपने जीवन में पत्रकारिता को लेकर कोई समझौता नहीं किया। वक्ताओं ने बताया कि श्री अजित वर्मा सिर्फ पत्रकार ही नहीं समाजसेवी भी थे। कार्यक्रम में नगर कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश यादव, जगत बहादुर सिंह अन्नू, अभिषेक यादव, भाजपा नेता कमलेश अग्रवाल, संदीप जैन, शिवम तिवारी, चक्रेश नायक, नंद कुमार यादव आदि ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का संचालन सच्चिदानंद शेकटकर तथा आभार प्रदर्शन काशीनाथ शर्मा ने किया।

राज.अधि.एसो. ने जताया यंत्र इंडिया के आदेश का विरोध

रक्षामंत्री और रक्षा सचिव को लिखा पत्र

जबलपुर यशभारत। विगत 18.अक्टूबर को आयुध निगम यंत्र इंडिया लिमिटेड द्वारा राजपत्रित अधिकारियों के लिए जारी ड्यूटी आदमी और आने जाने के समय पंचिंग की अनिवार्यता को लेकर जारी आदेश का आयुध निर्माणी राजपत्रित अधिकारी एसोसिएशन ने कड़ा एतराज जताते हुए रक्षा मंत्री और रक्षा सचिव को विरोध पत्र लिखने के बाद यंत्र इंडिया लिमिटेड के निदेशकों मे हलचल पैदा कर दी है।एसोसिएशन ने कहा कि यह रक्षा मंत्री और रक्षा सचिव के द्वारा दिये गए आश्वासन के विरुद्ध है।एसोसिएशन ने निगम के डायरेक्टर आपरेशन से सवाल किया है कि वे किस अधिकार से ऐसा कर रहे हैं।एसोसिएशन के महासचिव एस बी चौबे ने यंत्र इंडिया लिमिटेड के आपरेशन के आदेश को अनैतिक बताते हुए कहा है कि इस आदेश से अधिकारियों मे असमानता के साथ रोष का वातावरण व्याप्त है। उन्होंने कहा कि यह कहां का न्याय है राजपत्रित अधिकारी24घंटे ड्यूटी पर माना जाता है।जे डब्ल्यू एम को साढ़े सात बजे पंच करना है और विभाग प्रमुख को15मिनट बाद बुलाया जा रहा है।कई जे डब्ल्यू एम सीनियर तो है।लेकिन वे विभाग प्रमुख नहीं है वहीं जूनियर जे डब्ल्यू एम विभाग प्रमुख हैं इससे न केवल विसंगतियां पैदा हो रही हैं अपितु नियम विरुद्ध है।उनका आउट पंच तो अनिवार्य कर दिया लेकिन जाने का समय तय नहीं है। विरोध पत्र में आगे कहा गया है कि रक्षा मंत्री और रक्षा सचिव ने बार बार प्रचार माध्यमों से कहा है कि कर्मचारियों और अधिकारियों की सेवा शर्तों मे कोई बदलाव नहीं होगा यह सरासर उनके आश्वासन की अवहेलना है।इसी तरह सेवा संहिता का भी उल्लंघन किया जा रहा है।इससे न गुणवत्ता बढ़ सकती है और न उत्पादन लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। एसोसिएशन ने रक्षा उत्पादन विभाग से जबाब मांगते हुए तत्काल यंत्र इंडिया लिमिटेड के आदेश को रद्द करने की मांग की है।यंत्र इंडिया लिमिटेड के आदेश को लेकर सभी41आयुध निर्माणियों के अधिकारियों मे आक्रोश व्याप्त है।

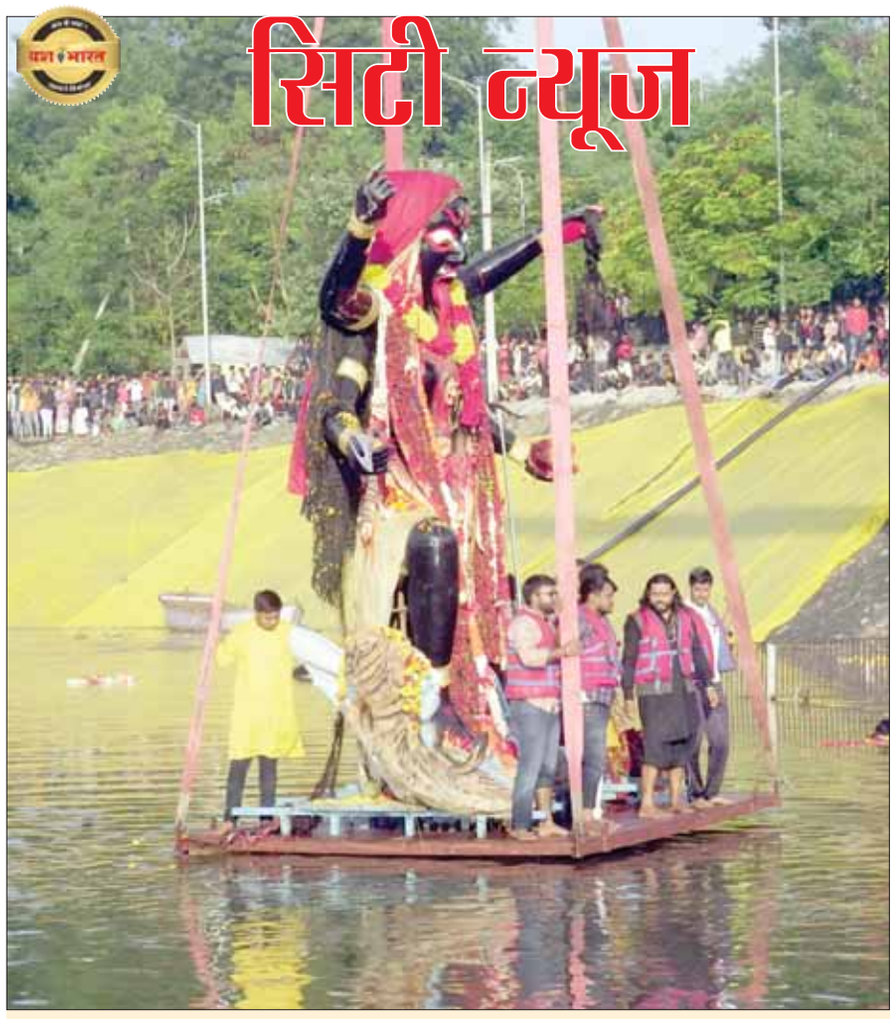

कड़े पहरे में हुआ नगर की महारानी का विसर्जन

जबलपुर। नवीन महाकाली विकास युवा संस्था जगदीश मंदिर लिंक रोड (लटकारी पड़ाव) की भव्यकाली की प्रतिमा- नगर की महारानी -का विसर्जन आज सुबह 7 बजकर 15 मिनट पर भटौली स्थित कुंड में किया गया। महारानी को विदाई देने सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। महारानी का विसर्जन जुलूस मंगलवार की रात 8 बजे पुलिस के कड़े पहरे में निकला। कोविड 19 के चलते भीड़ नहीं लगाने की अपील पहले ही शासन-प्रशासन और समिति द्वारा की गई थी। पिछले क ?वे अनुभव को देखते हुए प्रशासन ने कड़ी व्यवस्था की थी, भारी पुलिस बल तैनात किया गया था । विसर्जन यात्रा मार्ग पर भीड़ न लगे इसलिए ट्रेफिक पुलिस ने मार्ग पर ट्रैफिक डायवर्सन की व्यवस्थाएं की गई थी। विसर्जन यात्रा करीब 18 घंटे का सफर तय कर विसर्जन स्थल ग्वारीघाट के भटौली कुंड पहुंची है। आज सुबह शुभ मुहूर्त में 7.15 बजे विसर्जन हुआ। पिछले 40 वर्षों से भव्यता और आस्था व चमत्कार का इतिहास संजोए यह प्रतिमा लाखों और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केन्द्र है। इस प्रतिमा के प्रति लोगों की अटूट श्रद्धा का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विसर्जन यात्रा में 18 घंटे का वक्त लग जाता है। छोटी लाईन फाटक से ग्वारीघाट तक करीब 1 लाख लोग डग डग पर पूजन-अर्चन करते हैं। लाखों का संख्या में नारियल भेंट किये जाते हैं। मां भक्त जबलपुर में ही नहीं पूरे देश में साल शिर्डी साई सेवा संस्थान द्वारा गुला की माला मातारानी के लिए भेजी जाती है नागपुर से भक्तों द्वारा मखाने की मा प्रतिवर्ष आती है। जयपुर और गुजरात लोग यहां आकर माता को चुनरी चढ़ाते और उनके जूलूस में भी शामिल होते हैं। विसर्जन जुलूस में गोरखपुर से ग्वारीघाट के बीच आस्था का सैलाव प्रतिमा के दर्शन पूजन करने उमडा। श्रद्धालु जुलूस मार्ग की स्वयं साफ करते और धुलाई करते रहे।

84 गांव के लोगों के लिए खोले गए स्वास्थ्य केंद्र में कुत्तों का डेरा

स्वास्थ्य केंद्र में 14 का स्टाफ, तीन लोगों के भरोसे व्यवस्थाएं

जबलपुर। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर होने का लाख दावे किए जाए परंतु धरातल में स्थिति भयानक है। शहपुरा जनपद चरगवां प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में तीन डॉक्टर सहित 14 का स्टाफ लेकिन यहां सिर्फ दो नर्स और एक वार्डबॉय ही पूरी व्यवस्थाएं संभाले हुए हैं। 84 गांव के ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ बेहतर ढंग से मिल सके इसके लिए चरगवां प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की सौगात क्षेत्र को मिली थी। लेकिन ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधा मिलना तो दूर की बात है उचित परामर्श देने वाले डॉक्टरों के दर्शन हो जाए इतना ही बहुत है। स्वास्थ्य केंद्र में हमेशा कुत्तों का डेरा जमा रहता है। डॉक्टर कब आते हैं और कब चले जाते हैं इसकी खबर स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ्य नर्सों तक को नहीं रहती है। ग्रामीणों के मुताबिक अस्पताल में 3 डॉक्टर पदस्थ है लेकिन कब आते हैं ये किसी को नहीं पता। आलम यह है कि आज तक गांव के मरीज या आमजन कई कर्मचारियों के दर्शन तक नहीं कर पाए हैं। यहां लोग बीमार भी होते हैं, तो 40 किलोमीटर तय कर लोगो को इलाज के लिए जबलपुर ले जाना पड़ता है। क्षेत्र वासियों के लिए एक मात्र चरगवां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र है जिसके भरोसे में 84 गांव हैं। जिनमें करीब 65 हजार जनसंख्या इसी के भरोसे है। लेकिन डॉक्टरों ओर कर्मचारियों की अनुपस्थिति के कारण ग्रामीण बेहद परेशान हैं।

पैथोलॉजी लैब के टेक्नीशियन अटैच

वही स्वास्थ्य केंद्र में पैथोलॉजी लेब की सुबिधा है जिसको चलाने के लिए तीन टेक्नीशियन भी तैनात किए गए हैं। लेकिन तीनों टेक्नीशियन को जगह अटैच होने के कारण लैब में ताला पड़ा हुआ है।

वार्डबॉय को लोग कहते डॉक्टर

स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ वार्डबॉय श्याम राठौर के द्वारा डॉक्टर से लेकर ड्रेसिंग तक कार्य किया जाता है। इसी कार्य की वजह से ग्रामीण वार्डबॉय को डॉक्टर कहते हैं। बताया जा रहा है कि पुलिस की एमएलसी भी बार्डवॉय द्वारा की जाती है।

जानकारी ली जाएगी, कार्रवाई करेंगे

रत्नेश कुरारिया, सीएमएचओ का कहना है कि चरगवां स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर सहित 14 लोगों का स्टाफ है और सिर्फ तीन लोग ही सेवाएं दे रहे हैं तो इसकी जानकारी लेकर संबंधितों पर कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर स्वास्थ्य केंद्र के स्टाफ पर

- एक्सरे मशीन चलाने वाला का अटैचमेंट विक्टोरिया के टीबी क्लीनक में है।
- ड्रेसर नहीं है 6 साल से स्वास्थ्य केंद्र में,पुलिस एमएलसी वार्डबॉय श्याम राठौर करता है
- 3 डॉक्टर है पदस्थ है स्वास्थ्य केंद्र में, डॉक्टर श्वेता मुलतानी, इंदू राजपूत, डॉ.विभु श्रीवास्तव।
- स्टाफ नर्स दो है। गांव-गांव में जाना है, डिलेवरी भी इन्हीं को कराना है।

पश्चिम मध्य रेल से गुजरने वाली तीन स्पेशल ट्रेनें निरस्त

जबलपुर यश भारत। रेल प्रशासन द्वारा परिचालनीय कारणों से पश्चिम मध्य रेल से गुजरने वाली तीन स्पेशल ट्रेनों को कुछ ट्रिप के लिए निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। ये स्पेशल गाड़िया पश्चिम मध्य

रेल के कटनी मुड़वारा, दमोह एवं सागर स्टेशनों से होकर गुजरती हैं। इन निरस्तीकरण गाड़ियों की विस्तृत जानकारी निम्न है :- 1) गाड़ी संख्या 02365/02366 भोपाल-सिंगरौली-भोपाल स्पेशल ट्रेन को भोपाल से दिनाँक 20.10.2021 एवं 23.10.2021और वापसी में गाड़ी संख्या 02366 सिंगरौली से भोपाल स्पेशल ट्रेन को सिंगरौली स्टेशन से दिनाँक 21.10. 2021 एवं 26.10.2021 को निरस्त किया गया है।2) गाड़ी संख्या 02373/02374 सिंगरौली-निजामुद्दीन-सिंगरौली स्पेशल ट्रेन को सिंगरौली से दिनाँक 24 अक्टूबर 2021 और वापसी में गाड़ी संख्या 02374 निजामुद्दीन से सिंगरौली स्पेशल ट्रेन को निजामुद्दीन स्टेशन से दिनाँक 25 अक्टूबर 2021 को निरस्त किया गया है।3) *गाड़ी संख्या 03025/03026 हावड़ा-भोपाल-हावड़ा स्पेशल ट्रेन हावड़ा से दिनाँक 25 अक्टूबर 2021 और वापसी में गाड़ी संख्या 03026 भोपाल से हावड़ा स्पेशल ट्रेन को भोपाल स्टेशन से दिनाँक 27 अक्टूबर 2021 को निरस्त किया गया है।

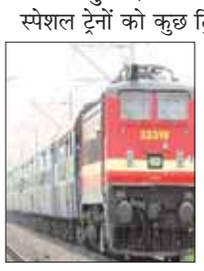

बढ़त के आधार पर कटनी की टीम पहुंची सेमीफाइनल में

जबलपुर। संभागीय क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में नीमखेड़ा मैदान में खेली जा रही अंतर जिला अण्डर 19 दो दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता में कटनी ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सिवनी और कटनी के मैच में सिवनी ने 17 रनों से आगे खेलते हुए 28.3 ओवरों मे दूसरी पारी में 141 रन पर ऑलआउट हो गई। 20 रन से पिछड़ने के बाद उसकी कुल बढ़त 121 रन थी। अमूल ने 30, सार्थक जैन ने 34 और प्रतीक ने 32 रन बनाए। कटनी की ओर से विकेट ओम तिवारी ने 7, सचिन यादव ने 2 विकेट लिए। 122 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कटनी ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 31 ओवर में 6 विकेट पर 64 रन बनाए। कटनी से अंफ़ाज़ ने 15 और प्रियांश ने 13 रन बनाए। इस प्रकार कटनी ने पहली पारी मे 20 रनों की बढ़त से सेमीफाइनल में प्रवेश किया। डिंडोरी और नरसिंहपुर के बीच खेले गए मैच में दूसरे दिन डिंडोरी 198 रनों पर 8 विकेट के नुकसान के आगे खेलते हुए पहली पारी में 200 रन पर सिमट गई। सुमित ने 58, पवन ने 52 रन व आदित्य ने 37 रन बनाए। नरसिंहपुर की ओर से अंश पटेल ने 5 विकेट लिए। नरसिंहपुर ने अपनी पहली पारी में 143 रन बनाए। किंसुक ने नाबाद 46, अर्थव ने 23 व आदित्य राजपूत ने 22 रन बनाए। डिंडोरी की ओर से कुबेर और विजय ने 4-4 विकेट लिएव नंद किशोर और संतोष ने 1-1 विकेट लिए। इस प्रकार डिंडोरी ने पहली पारी में 57 रन की बढ़त हासिल कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

मप्र की जूनियर व सीनियर से महिला हॉकी टीम घोषित

जबलपुर। हॉकी इंडिया के तत्वावधान में सिमडेगा तथा झांसी में आयोजित की जा रही जूनियर तथा सीनियर राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए मप्र की महिला टीमों की घोषणा दमोह में आयोजित कोचिंग कैंप तथा अंतिम चयन प्रक्रिया के दौरान कर दी गई है। महासचिव हॉकी मप्र लोक बहादुर ने एक विज्ञप्ति में ब बताया कि चयनित खिलाड़ियों में जूनियर वर्ग में मधुमति चौहान, सागू देवर, किरण राठौर, सिमरन दुबे, देश पूजा कोरी, अंजली राठौर, कामिनी फ वंशकार, सेलिना अली, पूनम पाल में हेमा रजक, शाहीन खान, राफिया त फारूक, राखी वंशवती, दिशा पेन्द्रे, हे रूचि नाविक, राधिका शिवहरे, पूनम जयंत, रेनू का चयन किया गया है। कोच सरोज सिंह राजपूत तथा मैनेजर रैना यादव होंगी। उक्त टीम अक्टूबर को रात्री में 18 सिमडेगा के लिए रवाना हुई। टीम 21 अक्टूबर को अपना प्रथम मैच खेलेगी। सीनियर वर्ग में दीपा शर्मा, नीरज राणा, प्रतिमा आर्य, कंचन निधी, नंदनी कुशवाहा, प्रियंका परिहार, ज्योति पाल, नीलू डाडिया, योगिता वोरा, भूमिका पेंद्रे, साक्षी पांडे, शमा बानो का चयन किया गया है। कोच वंदना ऊइके तथा मैनेजर प्रवीण यादव होंगे।

बांग्लादेश में हिन्दूओं पर अत्याचार

विश्व हिन्दू परिषद बजरंग जबलपुर महानगर ने जताया विरोध

जबलपुर। बांग्लादेश में हिन्दूओं पर हो रहे अत्याचार का विरोध में विश्व हिन्दू परिषद बजरंग जबलपुर महानगर ने आज रानीताल चौक पर पुतला फूंका और राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर बांग्लादेश में हिन्दूओं को सुरक्षा, न्याय व मुआवजा दिलाने की मांग की । वहां मंदिरों का तोड़ा जा रहा है। माताओं बहनों की इज्जत के साथ खिलवाड़ हो रहा है। इतना सब होने के पश्चात भी बांग्लादेश की सरकार आँख बंद करके बैठी है। इन वीभत्स काण्डों को देखकर हिन्दुओं का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। विश्व हिन्दू परिषद बांग्लादेश सरकार से मांग करती है कि हिन्दुओं पर हो रहे आक्रमणों तथा अत्याचारों को रोकने हेतु कई कदम उठाए तथा भारत सरकार से निवेदन करती है वह बांग्लादेश से इन घटनाओं को रोकने हेतु दबाब बनाए।हमारा आपसे निवेदन है कि मामले में हस्तक्षेप कर बांग्लादेश सरकार पर दबाव बनाएं जिससे कि वहाँ पीड़ित अल्पसंख्यक हिन्दूओं को न्याय व सुरक्षा मिले।

रेलवे संचालन में सुरक्षा को बढ़ावा देने पमरे में अत्याधुनिक सुविधाओं का उपयोग

जबलपुर यश भारत। भारतीय रेल में आधुनिक सिगनल और दूरसंचार प्रणाली से ट्रेन परिचालन में सुरक्षा बढ़ती है। भारतीय रेल में उपयोग में आने वाले उपकरणों का अपग्रेडेशन एंड रिप्लेसमेंट एक सतत प्रक्रिया है और इस प्रक्रिया को इसकी स्थिति, परिचालन आवश्यकताओं और संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर किया जाता है। गौरतलब है कि पश्चिम मध्य रेल में सिग्नलिंग सिस्टम में तीव्र गति से अपग्रेडेशन किया जा रहा है जिसमें नये प्रकार की इंटरलॉकिंग प्रणाली को अलग-अलग रेलखण्डों पर लगाया जा रहा तथा पुरानी इंटरलॉकिंग प्रणाली को भी बदला जा रहा है। ट्रेन संचालन में डिजिटलीकरण एवं आधुनिकीकरण और सुरक्षा बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग को बड़े पैमाने पर अपनाए जा रहा है। जिसके अंतर्गत सुरक्षा

और लचीलेपन को ब?ाने के लिए पैनल एवं इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग का कार्य जबलपुर मण्डल के कटनी-सिंगरौली और सतना-रीवा रेलखण्डों पर माह सितंबर 2021 में पूर्ण किया गया। * न्यू इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग को कटनी-सिंगरौली रेलखण्ड पर देवराग्राम-मझौली के बीच दोहरीकरण कार्य को देवराग्राम स्टेशन से 29 सिग्नल रुट्स के साथ 13 पॉइंट्स मशीन, 28 ट्रैक सर्किट एवं 15 मेन सिंगनल्स को जो?कर पुर्ण किया गया। * न्यू इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग को सतना-रीवा रेलखण्ड पर कैमा-सकरिया के बीच दोहरीकरण कार्य को कैमा स्टेशन से 118 सिगनल रुट्स के साथ 45 पॉइंट्स मशीन, 72 ट्रैक सर्किट एवं 59 मेन सिंगनल्स को जोड़कर पुर्ण किया गया। * न्यू पैनल इंटरलॉकिंग को कटनी-सिंगरौली रेलखण्ड पर देवराग्राम-मझौली के बीच दोहरीकरण कार्य को मझौली स्टेशन से 85 सिग्नल रुट्स के साथ 27 पॉइंट्स मशीन, 52 ट्रैक सर्किट एवं 39 मेन सिंगनल्स को जोड़कर पुर्ण किया गया। इस प्रकार पश्चिम मध्य रेल द्वारा इस वर्ष 2021-22 में सितंबर माह तक कुल 12 स्टेशनों पर नये आरआरआई/पैनल/इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग का कमीशन किया गया है। जो कि अंतह-, बिजौरा, कटंगिखुर्द, नारायणपुर टटवारा, इटारसी गुड्स केबिन, गंगापुरसिटी, हिनोतिया पिपलखेड़ा, ओर, भूलोन, देवराग्राम, मौझौली, कैमा स्टेशनों पर किया गया है।

जबलपुर क्लब की 1 रन से रोमांचक जीत

जबलपुर। संजीवनी क्रिकेट एकेडमी के तत्वावधान में लाल मैदान में आयोजित महाराणा प्रताप क्रिकेट प्रतियोगिता में जबलपुर में क्लब ने रोमांचक मुकाबले में हिमालयन एकेडमी को 1 रन से हराकर अगले चक्र में प्रवेश किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए जबलपुर क्लब ने 35 ओवर में 153 रन बनाए। मोहित ने 54, महेंद्र वंशिका ने 23 रन का योगदान दिया। हिमालयन की खरे, ओर से ईशान ने 5 विकेट लिए। जवाब में री, शुभ खेलने उतरी हिमालयन की टीम 152 रन ही हिमांग बना पायी।

आवश्यकता है

ज्वेलरी शोरूम के लिए अनुभवी सेल्समेन एवं सेल्सगर्ल, कैश काउन्टर के लिए सीनियर सिटीजन, स्टाफ मैनेजमेंट की आवश्यकता है।

संपर्क
श्री हनुमंत छाया ज्वेलर्स गोहलपुर
मालगुजार परिसर के पहले
मो. 9977112211, 8120112211

मिलने का समय- दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक

बीएसएनएल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 26 अक्टूबर से

जबलपुर। केन्द्रीय सतर्कता आयोग, नई दिल्ली एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी भारत संचार निगम लिमिटेड नई दिल्ली के निर्देशानुसार कार्यालय महाप्रबंधक बिज़नेस एरिया जबलपुर, भारत संचार निगम लिमिटेड में 26 अक्टूबर से 01 नवबर तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जायेगा । इसके अन्तर्गत 26 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे राजेश सोनी, महाप्रबंधक दूरसचार बिज़नेस एरिया जबलपुर द्वारा शपथ दिलाई जायेगी एवं बीएसएनएल के विभिन्न कार्यालय एवं दूरभाष केन्द्रों में सतर्कता सप्ताह के बैनर/पेम्पलेट लगाये गये हैं। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा । महाप्रबंधक जबलपुर के अन्तर्गत आने वाले सभी एसएसए प्रमुखों एवं कर्मचारियों/ अधिकारियों की उपस्थित में सभा के दौरान अध्यक्ष एवं प्रबंधक निदेशक, भारत संचार निगम लिमिटेड का संदेश का वाचन किया जाएगा एवं 01 अक्टूबर को सतर्कता सप्ताह का समापन होगा ।

कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, नरसिंहपुर

क्रमांक/निविदा/2021/3285 — नरसिंहपुर दिनांक 23/10/2021

द्वितीय निविदा विज्ञप्ति

कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, नरसिंहपुर जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में विभिन्न कार्यों हेतु मानव संसाधन (उच्चकुशल, अर्धकुशल, अकुशल) उपलब्ध कराने हेतु योग्य निविदाकारों से निविदा प्रपत्र में दर्शाई गई शर्तों के आधार पर जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में वित्तीय वर्ष 2021-22 हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम	सुरक्षा निधि	निविदा आनलाईन एवं आफलाईन जमा करने की अंतिम तिथि	निविदा कार्यालय जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में खोलने का दिनांक एवं समय
जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर हेतु मानव संसाधन (उच्चकुशल, अर्धकुशल, अकुशल) उपलब्ध कराने हेतु।	रुपये 50000.00 अंकन पचास हजार रूपये मात्र।	दिनांक 09/11/2021 को 14 बजे तक	अनिवार्य सवमिशन लिफाफा क्रमांक अ दिनांक 11/11/2021 तकनीकि प्रस्ताव लिफाफा क्रमांक ब दिनांक 11/11/2021 वित्तीय प्रस्ताव लिफाफा क्रमांक से दिनांक 12/11/2021 को 12:00 बजे

1. निविदा प्रपत्र दिनांक 26/10/2021 पूर्वान्ह 13:00 बजे से दिनांक 09/11/2021 को अपरान्ह 5:00 बजे तक मप्र शासन के ई टेण्डर पोर्टल https://mptenders.gov.in/ की वेबसाईट से वापिसी अयोग्य 1000.00 रूपये अंकन (एक हजार रुपये) ईपेमेन्ट कर आनलाईन क्रय किये जा सकते है।
2. निविदा के संबंध में प्रस्ताव पूर्व बैठक का आयोजन दिनांक 28/10/2021 को अपरान्ह 2.00 बजे कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, नरसिंहपुर में आयोजित की जावेगी।
3. निविदा मान्य करना/ बिना किसी कारण निरस्त करने के समस्त अधिकार क्रय समिति के पास पूर्णतः सुरक्षित रहेंगे।

जी- 18365/21

सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक
नरसिंहपुर

मध्यप्रदेश शासन नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण
कार्यालय कार्यपालन यंत्री (वि./यां.) संभाग क्र. 2, बरगीनगर जबलपुर (म.प्र.) 482056
Email Id: eeemdv2bargidam@gmail.com

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्न कार्य की ऑनलाइन निविदा प्रतिशत दर (अपेंडिक्स 2.10) ई-प्रोक्यूरमेंट सिस्टम पोर्टल www.mptenders.gov.in पर जारी की जा रही है। निविदा की संक्षिप्त जानकारी निम्नानुसार है -

निविदा क्रमांक	ई-निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमा. राशि (रु. में)	धरोहर राशि (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	निविदाकार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की अवधि
152/तक 2021-22 दिनांक 04.10.21	2021_NVDA_	रा.अ.बा.लो.सा. परि. बांयी तट नहर की रेलुवा शाखा नहर की आर.डी. 0.00 कि.मी. से आर.डी. 14.097 कि.मी. पर लगे हेड रेगुलेटर गेटों का सुधार कार्य।	1,04,046.00 (रु. एक लाख चार हजार छियालीस मात्र)	2081.00 (रु. दो हजार इक्यासी मात्र)	1000.00 (रु. एक हजार) मात्र	प्रमुख अभियंता (लो.नि.वि.) भोपाल में "सी" एवं ऊपर की श्रेणी में पंजीकृत	30 दिन (अनुबंध की तिथि से)
153/तक 2021-22 दिनांक 04.10.21	2021_NVDA_	रा.अ.बा.लो.सा. परि. पाटन शाखा नहर की गोपालपुरा माइनर (आफ्टेक आर.डी. 2.44 कि.मी.) एवं तेवर माइनर (आफ्टेक आर.डी. 5.56 कि.मी.) पर लगे हेड एवं क्रास रेगुलेटर गेटों का सुधार कार्य।	79,044.00 (रु. उन्यासी हजार चौवालीस मात्र)	1581.00 (रु. एक हजार पांच सौ इक्यासी मात्र)	1000.00 (रु. एक हजार) मात्र	प्रमुख अभियंता (लो.नि.वि.) भोपाल में "सी" एवं ऊपर की श्रेणी में पंजीकृत	30 दिन (अनुबंध की तिथि से)
154/तक 2021-22 दिनांक 04.10.21	2021_NVDA_	रा.अ.बा.लो.सा. परि. पाटन शाखा नहर की लुहारी माइनर (आफ्टेक आर.डी. 9.86 कि.मी.) एवं महुआखेड़ा माइनर (आफ्टेक आर.डी.14.75 कि.मी.) पर लगे हेड रेगुलेटर गेटों का सुधार कार्य।	1,24,764.00 (रु. एक लाख चौबीस हजार सात सौ चौसठ मात्र)	2495.00 (रु. दो हजार चार सौ पंचानवे मात्र)	1000.00 (रु. एक हजार) मात्र	प्रमुख अभियंता (लो.नि.वि.) भोपाल में "सी" एवं ऊपर की श्रेणी में पंजीकृत	30 दिन (अनुबंध की तिथि से)
155/तक 2021-22 दिनांक 04.10.21	2021_NVDA_	बरगी व्यपवर्तन परियोजना दांयी तट नहर की मदना वितरण नहर की एम-2 माईनर आर.डी. 6.48 कि.मी. पर लगे हेड रेगुलेटर गेटों का सुधार कार्य।	1,80,459.00 (रु. एक लाख अस्सी हजार चार सौ उनसठ मात्र)	3609.00 (रु. तीन हजार छः सौ नौ मात्र)	1000.00 (रु. एक हजार) मात्र	प्रमुख अभियंता (लो.नि.वि.) भोपाल में "सी" एवं ऊपर की श्रेणी में पंजीकृत	30 दिन (अनुबंध की तिथि से)
156/तक 2021-22 दिनांक 04.10.21	2021_NVDA_	रा.अ.बा.लो.सा. परि. पावर ओर. सी.बी. कम से ब्लाक नं. 8 बांयी गैलरी में विद्युत प्रदाय में लगी 185 वर्ग एम.एम. आर्मड केबल को क्लेम सहित हटाने एवं नई आर्मड केबल लगाने का कार्य।	2,12,964.00 (रु. दो लाख बारह हजार नौ सौ चौसठ मात्र)	4259.00 (रु. चार हजार दो सौ उनसठ मात्र)	2000.00 (रु. दो हजार) मात्र	1. प्रमुख अभियंता (लो.नि.वि.) भोपाल में पंजीकृत 2. म.प्र. मुख्य विद्युत निरीक्षक द्वारा जारी अ श्रेणी का लायसेंस	30 दिन (अनुबंध की तिथि से)
157/तक 2021-22 दिनांक 04.10.21	2021_NVDA_	रा.अ.बा.लो.सा. परि. पावर गैलरी में विद्युत व्यवस्था हेतु 20 वाट की एल.ई.डी. ट्यूब लाईट एवं 10 वाट की एल.ई.डी. बल्कहेड ब्रेकेट वाटर टाईट व्यवस्था सहित लगाने का कार्य।	1,77,972.00 (रु. एक लाख सतत्तर हजार नौ सौ बाहत्तर मात्र)	3559.00 (रु. तीन हजार पांच सौ उनसठ मात्र)	1000.00 (रु. एक हजार) मात्र	1. प्रमुख अभियंता (लो.नि.वि.) भोपाल में पंजीकृत 2. म.प्र. मुख्य विद्युत निरीक्षक द्वारा जारी अ श्रेणी का लायसेंस	30 दिन (अनुबंध की तिथि से)
		कुल योग रु.	8,79,249.00				

निविदा प्रपत्र क्रय करने की तिथि - 25.10.2021, 17.30 तक (केवल ऑनलाईन)
प्राईज बिड जमा करने की तिथि - 25.10.2021, 17.30 तक (केवल ऑनलाईन)
निविदा की धरोहर राशि खुलने की तिथि - 27.10.2021, 10.30 से 27.10.2021, 17.30 तक (केवल ऑनलाईन)
प्राईज बिड खुलने की तिथि - 27.10.2021, 10.31 से 27.10.2021, 17.30 तक (केवल ऑनलाईन)
निविदा प्रपत्र को उपरोक्त वेबसाइट पर केवल ऑनलाईन क्रय किया जा सकता है। ऑनलाईन पर भुगतान डेबिट कार्ड/ क्रेडिट कार्ड या इंटरनेट बैंकिंग अकाउंट्स के माध्यम से किया जा सकता है। निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट www.mptenders.gov.in का अवलोकन करें।

जी-18355/21

एस.के. गुप्ता, कार्यपालन यंत्री
नर्मदा विकास (वि./यां.) संभाग क्रमांक 2
बरगीनगर, जबलपुर (म.प्र.)

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि मेरे पक्षकार द्वारा मौजा चिहुटा प.ह.नं. 16, रा.नि.मं कटंगी तह. पाटन जिला जबलपुर में स्थित भूमि ख.नं. 68/1 रकवा 0.36 हे., ख.नं. 71/2, रकवा 0.46 हे. भूमि (भूमिस्वामी उर्मिला पति सुशील कुमार तिवारी) एवं मौजा चिहुटा प.ह.नं. 16, रा.नि.मं. कटंगी तह. पाटन जिला जबलपुर में स्थित भूमि ख.नं. 70/3 रकवा 0.62हे., (भूमिस्वामी राजकुमार वल्द रघुवीर प्रसाद चौबे) को खरीद करने का सौदा व अनुबंध उक्त भूमिस्वामियों से कर लिये है, और उक्त भूमि के विक्रय के संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति, फर्म, बैंक या वित्तीय संस्था, शासकीय अथवा अर्द्धशासकीय संस्था को आपत्ति हो तो मय मूल दस्तावेजों सहित प्रकाशन दिनांक से 7 दिवस के अंदर मेरे कार्यालय में उपस्थित होकर विधिक आपत्ति प्रस्तुत करें, किसी भी प्रकार की आपत्ति अखबार प्रकाशन/खण्डन के माध्यम से मान्य नहीं की जायेगी, 7 दिवस के बाद की गई किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी, और दस्तावेजों का पंजीयन करा लिया जायेगा।

श्याम एस. अग्रवाल
(अधिकवक्ता)
पता- दुकान नंबर 70, विजय नगर, हाट बाजार जबलपुर
मो.नं. 7477212828, 6266656075

क्योर एण्ड केयर डेन्टल क्लीनिक

डॉ. शंकर हब्लानी बी.डी.एस. (इन्दौर) दांत एवं मुख रोग विशेषज्ञ रेनबो कलर लैब के सामने, सतना बिल्डिंग जबलपुर।
मो. 9340734722, 8989804354

विशेषतायें- रूट कैनाल ट्रीटमेन्ट, फिक्स दांत- सिरेनिक, दांतो की सफाई, बत्तीसी, पायरिया इलाज, फिक्स ब्रेसेस

संपादकीय

सतर्क व्यवहार फिर भी जरूरी

विश्व बैंक प्रमुख द्वारा भारत के कोरोना संक्रमण के खिलाफ सफल टीकाकरण अभियान व आर्थिक स्थिति को सामान्य बनाने के प्रयासों की सराहना उत्साहित करने वाली है। अच्छी खबर यह भी है कि हरियाणा में हुए तीसरे राउंड के सीरो सर्वे में 76.3 फीसदी लोगों में एंटीबॉडी यानी कोरोना के खिलाफ रोग प्रतिरोधक क्षमता पायी गई। यह सार्थक उपलब्धि कही जा सकती है कि हरियाणा स्वास्थ्य विभाग और पीजीआई रोहतक के सहयोग से किये गये सीरो सर्वे का दायरा पिछले दो सर्वे के मुकाबले काफी बड़ा था। एंटीबॉडी गांव के मुकाबले शहरों में अधिक पाया जाना सुखद है क्योंकि शहरों में जनसंख्या के सघन घनत्व को देखते हुए संक्रमण का खतरा ज्यादा रहता है। दरअसल, पहले सीरो सर्वे में जहां 8 फीसदी तो दूसरे सर्वे में 14.8 फीसदी लोगों में एंटीबॉडी पायी गई थी। सर्वे का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि टीकाकरण कराने वाले 81.6 फीसदी लोगों में एंटीबॉडी पायी गई जो संकेत भी है कि हमारा टीका प्रभावी है और सुरक्षाचक्र उपलब्ध कराता है। दरअसल, कोविड-19 से संक्रमित हो चुके और टीकाकरण करा चुके लोगों में एंडीबॉडी विकसित होती है। देश में जनवरी में शुरू हुए टीकाकरण अभियान ने लंबा सफर तय किया है और यह एक अरब का आंकड़ा छूने की तैयारी में है। निस्संदेह, हमने यह स्थिति टीकों की उपलब्धता, कीमतों को तर्कसंगत बनाकर, खुराक के बीच पर्याप्त अंतर के निर्धारण की चुनौती से जूझते हुए हासिल की है। मकसद यही था कि समाज का हर वर्ग कोरोना संक्रमण के खिलाफ रोग प्रतिरोधक क्षमता प्राप्त कर ले और देश जीवन-जीविका की रक्षा के लक्ष्य को हासिल कर सके। देश में आर्थिक गतिविधियों को फिर से पटरी पर लाने में सफल टीकाकरण अभियान ने बड़ी भूमिका निभायी है। सुखद यह भी कि मार्च, 2020 के बाद ठीक होने वालों का प्रतिशत 98 फीसदी हुआ। संक्रमितों की संख्या दो लाख से कम होना भी हमारी उपलब्धि कही जायेगी।

निस्संदेह, हमारा पूर्ण लक्ष्य तभी हासिल होगा, जब हम देश के वयस्कों को दोनों खुराक दे पायें। लेकिन अभी हमें आत्मसंतुष्टता के जोखिम से बचना चाहिए क्योंकि कोरोना का संकट अभी पूरी तरह से टला नहीं है। दुनिया के कई देशों में तीसरी-चौथी लहर दस्तक दे चुकी है। सरकार ने शीघ्र टीकों के निर्यात का फैसला किया है लेकिन यह घरेलू जरूरतों की कीमत पर नहीं होना चाहिए। वहीं पर्व श्रृंखला में अतिरिक्त सतर्कता की जरूरत होगी। आने वाले वर्ष में कई बड़े राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, चुनाव आयोग को सुनिश्चित करना है कि चुनाव अभियान कोरोना के हॉट स्पॉट न बन जायें। वहीं केंद्र सरकार को विश्व के अन्य देशों में भारतीय यात्रियों की सुगम यात्रा के लिये वैक्सीन प्रमाण पत्र की स्वीकार्यता के मुद्दे पर आगे पहल करनी होगी। लेकिन कोविड प्रतिरोधी व्यवहार हर नागरिक की पहली जिम्मेदारी होनी चाहिए। यह अच्छी बात है कि सरकार ने कोविड-19 के खिलाफ बच्चों व किशोरों के टीकाकरण अभियान को हरी झंडी दे दी है। साथ ही आपातकालीन उपयोग के लिये जायोकोव-डी वैक्सीन को अनुमति दी है और कोवैक्सीन की वैक्सीन उपयोग के लिये अंतिम चरण में है। निस्संदेह, बच्चों का टीकाकरण स्कूलों में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति सामान्य बनाने के लिये भी जरूरी है। लेकिन इसके साथ हमारी सावधानी सतर्कता बेहद जरूरी है क्योंकि हमने बहुत कुछ हासिल किया, मगर बहुत कुछ हासिल करना अभी बाकी है। हम इस बात पर तो गर्व कर सकते हैं कि भारत टीकाकरण अभियान में अमेरिका से दुगनी खुराक दे चुका है। टीकाकरण में भारत दुनिया में दूसरे नंबर पर है और बस चीन से पीछे है। फिर भी भारत ने उपलब्ध संसाधनों और सवा अरब से ज्यादा की जनसंख्या के लिये टीका उत्पादन, वितरण व टीका लगाने का महत्वपूर्ण लक्ष्य हासिल किया है। यही वजह है कि दुनिया में भारत के प्रयासों की सराहना हो रही है, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था पर दुनिया का भरोसा बढ़ा है। अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियों ने भारत की रेंटिंग में सुधार किया है। अभी भारत को गरीब मुल्कों के टीकाकरण अभियान में बड़ी भूमिका भी निभानी है।

आज जन्म दिवस पर विशेष

आध्यात्म योगी आचार्य विद्यासागर

गुरुवर महाश्रीश्वर संत शिरोमणि 108 आचार्य श्री विद्यासागर महामुनिराज का बहुआयामी व्यक्तित्व चुम्बकीय है। महाराजश्री के विषय में सर्वविदित है कि उनके विहार की तिथि निश्चित नहीं होती है। अनिश्चितता के बाद भी वे ज़ जिस क्षण जिस ओर विहार करते हैं सुरभि की भांति जन-जन में जानकारी होते ही हजारों हजार पग उस ओर अपने आप दौड़ पड़ते हैं विहार में अच्छे से दर्शन हो जायेंगे इस भाव से। महाराज श्री मानव तीर्थ हैं वे किस तीर्थ की ओर प्रस्थान करेंगे श्रावकों के बीच इस पर चर्चा/बहस होती है किंतु चर्चा पर आचार्य श्री के मन की बात आचार्यश्री ही जाने- कहकर विराम लग जाता है।

आचार्यश्री के हृदय में वैराग्य भाव का बीजारोपण बाल्यावस्था में ही आरंभ हो गया था। धर्म, अध्यात्म साधुओं की सेवा, पूजन-पाठ स्वाध्याय आदि में आरंभ से ही आपका रूझान रहा। ऐसा मानना है- पूजा के भाव, परिणामों - की निर्मलता एवं शुभ क्रियाओं के प्रति उत्सुकता आदि आश्चर्यजनक परिणाम, भगवान की भक्ति देती है। ऐसे भावों के ज़परिणाम स्वरूप 27 जुलाई 1966 को विद्याधर अपने एक मित्र जिनगौड़ा को साथ लेकर घर से मुख मोड़कर मोक्षपथ के अविराम पथिक बनने निकल पड़े। चूलगिरी, जयपुर राजस्थान में विराजमान आचार्य श्री देशभूषण जी महाराज के सम्मुखउपस्थित हो 20 वर्षीय नवयुवक विद्याधर ने महाराज श्री से आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत ग्रहण करने की भावना रखी और यह भी बतलाया कि परिवार की अनुमति लेकर नहीं आये हैं। विद्याधर की स्पष्टवादिता, धर्मनिष्ठा और दृढ़ता देखकर देशभूषण महाराज जी ने आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत का आशीर्वाद प्रदान कर दिया। यह मोक्ष मार्ग की सीढ़ी पर प्रथम पग था।

महाराजजी का जन्म आश्विन शुक्ल पूर्णिमा (शरद पूर्णिमा) 10 अक्टूबर 1946 को सदलगा ग्राम के निकट चिक्कोड़ी जिला-बेलगाम कर्नाटक में हुआ। आपके पिताश्री मलप्पा जी जैन अष्टगे।(समाधिस्थ मुनिश्री मल्लि सागर जी) एवं माताजी श्रीमंती जी जैन अष्टगे।(समाधिस्थ आर्यिका श्री समयमति जी) बचपन का नाम विद्याधर मुनि दीक्षा अजमेर राजस्थान, 30 जून 1968 दीक्षागुरु दिगम्बराचार्य श्री ज्ञान सागर जी महाराज सामान्यतः ब्रह्मचर्य व्रत के बाद क्षुल्लक. दीक्षा, एलक दीक्षा तत्पश्चात मुनि दीक्षा होती है। आचार्य श्री की ब्रह्मचर्य व्रत के बाद सीधे मुनि दीक्षा, 22 वर्ष की युवावस्था में हुई। दीक्षा पूर्व स्थानीय जनों में मतमतांतर रहा। जब महाराजश्री का ब्रह्मचर्य व्रतपालन एवं आगम अनुकूल चर्या और गुरू के प्रति समर्पण भाव देखा तो सभी महाराज श्री के भक्त हो गये तथा दीक्षा के पक्ष में हो गये। आचार्य श्री जी के व्यक्तित्व को कुछ शब्दों या पन्नों में समेटना समुद्र के जल को अंजुलि में समेटने जैसी कोशिश होगी। फिर भी भक्तिवशात में हटात उन्हें कहने की धृष्टता कर रहा हूँ। जो भी उन्हें जिस दृष्टि से देखता है, गुण ही गुण नजर आते हैं। तभी तो ठहर ठहर कर श्रावक पंचम युग के त्राता, ज्ञानी, ध्यानी, परम वीतरागी, आध्यात्मयोगी, ज्ञानानंद योगी, वात्सल्य प्रेमी, प्रातः स्मरणीय विश्ववंदनीय, अनाशक्त महायोगी प्रतिभा प्रणेता, हृदय सम्राट संत शिरोमणि आचार्य श्री . . 108 विद्यासागर जी महाराज की जय जय जय के उद्घोष को चहुँ दिशाओं में गुंजायमान करते हैं।

गुरूवर का व्यक्तित्व अथाह - अपार असीम, अलौकिक अप्रतिम अद्वितीय एवं हतप्रभ कर देने वाला है।. महाराजश्री की वाणी और चर्या से प्रेरणा लेकर अनगिनत भव्य श्रावक धन्य हुए। आचार्यश्री ने मूकमाटी जैसी क्रांतिकारी, आध्यात्मिक, नैतिक, सामाजिक, सैद्धांतिक महाकाव्य सहित अन्य काव्य-कृतियों का सृजन करके साहित्य परंपरा को समृद्ध किया है।

अनियत विहारी गुरुदेव का विहार के दौरान अनेक जगह पाद प्रच्छालन होता है, श्रावक इस जल को सिर माथे धारण करते है। प्रक्षालित जल को जिस जगह विसर्जित किया उसी जगह चमत्कार/अतिशय देखने, सुनने मिला। कहीं खारे पानी का कुआँ, मीठे पानी में परिवर्तित हो गया, तो कहीं सूखे कुएँ में लबालब पानी हो गया। कहीं बीमार पशु स्वस्थ हो गए और तो और विहार के दौरान गुरूवर एक अजैन के घर के बाहर पड़े पत्थर पर क्या बैठे? उनके गमन पश्चात वह पत्थर अनमोल हो गया। लाखों रूपये तक आफर आ गया किंतु धन्य वो अजैन, भाई और उसकी श्रद्धा उसने बड़े-बड़े श्रेष्ठीजनों को पीछे छोड़ दिया। गुरूजी की भेंट जान, उसने पत्थर को अपने घर में पूजा के स्थान पर रखा।

गुरूदेव के चरण और आचरण वंदनीय हैं। वे कोई चमत्कार नहीं दिखलाते पर न जाने क्यों उनके दर्शन मात्र से लोगों को लगता है कि गुरुदेव के दर्शन / आशीर्वाद मात्र से उद्धार हुआ। हजारों हजार मील दूर देश और विदेश से लोग उनके दर्शनों के निमित्त आते हैं। गुरूजी सबसे प्रत्यक्ष भेंट कर सकें यह संभव नहीं है, किन्तु हाँ दूर से ही सही उनका आशीर्वाद किंचिंत हास्य मिश्रित मुस्कान के साथ सभी को बराबर मिलता है। आचार्य श्री का बुंदेलखण्ड से विशेष लगाव है। अपने प्रवचन के दौरान बुंदेली भाषा का प्रयोग करते हुए महाराजश्री कहते हैं च्काय सुन रहे हो नज्ञ तो एक साथ हूँका केस्वरों में च्हओज्ञ की आवाजें गूँज पड़ती है। हरि अनंत हरि कथा अनन्ता की भाँति महाराज श्री के विषय में जितना लिखें कम है। उनके विराट व्यक्तित्व के सामने शब्द और भावाभिव्यक्तिसब अल्प जान पड़ते हैं। उनका गहन अध्ययन, मनन, स्वाध्याय, संयम जीवन के हर क्षेत्र में सुयोग्य पथ प्रदर्शक के रूप में श्रावकों का मार्ग प्रशस्त करता है। रिद्धि-सिद्धि उनके चरण पखारती है। संत सबके की अवधारणा आचार्य भगवंत के समवशरण में दिखलाई पड़ती है। यहाँ जैन के साथ जैनेतर भी भक्ति भाव से उपस्थित होते हैं। सभी दुख, रोग, शोक से पीड़ति हों, कोई मनोकामना लेकर आये हों ऐसा भी नहीं है किंतु हाँ अनेक अजैन मित्र अपने जैन मित्रों से यह जरूर कहते है कि एकबार गुरूदेव के दर्शन अवश्य करना है। बिना किसी विवाद के निर्विवाद रूप से सबके अंतस् में पूज्य स्थान बनाना उनके अतिशय पुण्य का परिचायक है।

कठोर तपश्चर्या अटूट साधना, निष्कलंक आचरण, सुख-दुख में समरसता, व्यवहार में एकात्मकता, राग-द्वेष से परे, समानता और समता से भरे, जियो और जीने दो के सिद्धांत के साक्षात् अवतार करुणा और वात्सल्य की प्रतिमूर्ति हैं। गुरूवर को आचार्य पद नसीराबाद, अजमेर, राजस्थान में 22-11-1972 को प्राप्त हुआ। आपके दो भाई मुनिश्री योगसागर जी तथा मुनिश्री समय सागर जी गुरूदेव से दीक्षित है। आपकी दो बहनें ब्रह्मचारिणी शान्ता एवं ब्रह्मचारिणी स्वर्णा जी धर्म साधना में रत हैं।आचार्य मुनिश्री ज्ञानसागर जी ने जब शरीर शक्तिहीन होने लगा तो आचार्य पद मुनिश्री विद्यासागर जी को सौंपते हुए उनका शिष्यत्व स्वीकार किया। शिष्य गुरू और गुरू शिष्य हो गये। आचार्यश्री ने अपने गुरु की ऐसी सेवा की जैसे श्रवण कुमार ने अपने माता-पिता की। एक पल भी नजरों से ओझल नहीं होते थे। उनकी श्वांसों के स्पंदन की गति का भी अहसास होता था और उनकी हल्की-सी भी हलचल होने पर तत्काल ही उसे समझने के लिये ये सदैव तत्पर रहते थे। अपूर्व समर्पण, ज़अगाध निष्ठा, शास्त्रोक्त सेवा करने वाले आचार्य श्री ने जब से गुरु की शरण प्राप्त की, तब से एक पल को भी उन्हें नहीं छोड़ा। जिस कुशलता के साथ गुरू ने शिष्य के जीवन का निर्माण किया, वैसी ही कुशलता से शिष्य ने गुरू के जीवन का उपसंहार (समाधि) करवा दिया। 1 जून 1973 को मुनिश्री ज्ञान सागर जी आचार्य श्री विद्यासागर जी के मुख से णमोकार मंत्र सुनते-सुनते समाधिस्थ हो गए। गुरू के प्रति समर्पण का उच्च प्रतीक हैं आचार्य श्री । जिनागम में श्रमणों की आचार संहिता का वर्णन करने वाले अनेक ग्रंथ उपलब्ध है। एक ओर जब उन ग्रंथों का अध्ययन किया जाता है और दूसरी ओर चरित्र नायक आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज की निर्दोषचर्या का अवलोकन किया जाता है, तब ऐसा प्रतीत होता है मानो आचार्य श्री जी मुनियों का आचरण बताने वाले ग्रंथों की जीवंत प्रतिलिपि हों। आपका जीवन ही जैनधर्म के मौलिक सिद्धांतों का पर्याय हैं। संतत्व से सिद्धत्व तक के अविराम यात्री, आकाश में विचरण करने वाले आध्यात्मिक सूर्य तो हैं ही साथ ही विपुल साहित्य यथा संस्कृत भाषा में छह शतक, धीवरोदय शारदानुति, पंचास्तिकाय, जापानी छंद हायकू मूकमाटी महाकाव्य, कन्नड़, हिन्दी, बंगला, प्राकृत एवं अंग्रेजी भाषा में कविताओं का सृजन भी महाराज मुनिराज द्वारा किया गया है। अनेक प्राचीन गूढ़ ग्रंथों का अनुवाद भी गुरूदेव द्वारा किया गया है।आपके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर 4 डी. लिट् 35 पी.एच.डी. 8 एम. फिल, 2 एम. एड. एवं 6 एम. ए. एवं अनेक लघु शोध प्रबंध लिखे जा चुके हैं।महाराजश्री का संदेश है - च्शिक्षा अर्थ सापेक्ष न होकर कर्म और कौशल सापेक्ष हो।ज्ञ गुरुकुल शिक्षा पद्धति के माध्यम से बच्चों के मन में संस्कारों का पल्लवन हो, संस्कृति के प्रति गौरव हो- इस हेतु च्प्रतिभास्थली शिक्षण संस्थान स्थापित किए गए है। इसमें बालिकाओं को लौकिक शिक्षा तथा अध्यात्म के साथ अनुशासन का पाठ भी पढ़ाया जाता है। महाराजश्री समाज में युवकों की बेरोजगारी से भली-भाँति परिचित हैं तभी तो उन्होंने हाथकरघा के प्रचार-प्रसार के माध्यम से अनेक ईकाईयों की स्थापना करवा युवकों को रोजगार का मार्ग प्रशस्त किया है। प्रदेश एवं प्रदेश के बाहर जीव दया की भावना से प्रेरित हो वृहद् स्तर पर गौशालाओं के निर्माण की प्रेरणा देकर गौ संवर्द्धन-संरक्षण का महत्वपूर्ण कार्य किया है। संस्कारी बच्चे-बच्चियाँ प्रशासन में जाकर समाज हित में कार्य करें इस हेतु आपके आशीर्वाद से संचालित अनुशासन नामक संस्था द्वारा सैकड़ों बच्चों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अनेक स्थानों पर छात्रावास की व्यवस्था भी है।आचार्य श्री विदेशों को माँस निर्यात और गौ हत्या, कसाई खाना के घोर विरोधी है। गुरूदेव के निर्देशन में दयोदय परिसर तिलवारा जबलपुर में पूर्णायु आयुर्वेद चिकित्सालय एवं अनुसंधान विद्यापीठ के संस्थापन के माध्यम से लुप्त होती आयुर्वेद पद्धति और जड़ी बूटियों के माध्यम से मानव उपकार की दिशा में प्रकल्प चलाया जा रहा है। सामाजिक सरोकार के साथ महान तीर्थोद्वारक और तीर्थ प्रणेता के रूप में आचार्यश्री जैन समाज के हृदय में युगों-युगों तक स्थापित रहेंगे। कुण्डलपुर के बड़े बाबा से लेकर नेमावर सिद्धोदय क्षेत्र और सर्वोदय अमरकंटक, दयोदय, जबलपुर, भाग्योदय सागर से लेकर विदिशा, शीतलधाम एवं रामटेक क्षेत्र तक गुरूदेव के आशीर्वाद से विशाल तीर्थ बने हैं। वास्तविकता यह है कि गुरूदेव जहाँ पग रखते है। वह भूमि अपने आप पुण्य तीर्थ हो जाती है। गुरूदेव को नर्मदा क्षेत्र प्रिय है, अमरकंटक, जबलपुर, नेमावर से आगे तक नर्मदा की छत्रछाया है। नर्मदा जी के अनन्य भक्त, द्विपीठाधीश्वर जगद्गुरू शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानन्द सरस्वती जी महाराज ने शुभाशंसनम् सम्प्रेषित कर लिखा च्अज्ञान-अविद्या को दूर करने वाली बुद्धि ही विद्या कहलाती है। मार्ग के भेद होने पर भी उद्देश्य की एकता को लेकर आचार्य विद्यासागर जी की तपस्या सफल हो एतदर्थ अपनी शुभकामना भेज रहे है।ज्ञ एक धर्माचार्य द्वारा दूसरे धर्माचार्य को सफलता की ऐसी कामना अनुकरणीय है। वंदनीय है।

अभिमन्यु जैन

आप का राशिफल 21 अक्टूबर

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय का लाभ लें। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-4-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। अपने काम पर नजर रखिए। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। यात्रा से लाभ। शुभांक-1-3-5

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। यात्रा का योग है। आय के योग बनेंगे। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-7

फिल्म वर्ग पहेली - 5566

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल लगाने को' गीत वाली अक्षय, अमिताभ, रानी, जूही की फिल्म-२,२
२. अतीन भट्ट, संदली की एक फिल्म-२
३. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली फिल्म-२
४. संजयदत्त, काजोल की 'आवाज दो हमको' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली फिल्म-३
६. अजय देवगन, रवीना की 'कितना हसीन चेहरा' गीत वाली फिल्म-४
९. राजेश खन्ना, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
१३. सनी, बॉबी, उर्मिला की 'कोई नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'तुम आए तो आया' गीत वाली अजय देवगन, पूजा भट्ट की फिल्म-२
१६. 'कहाँ से आए रामा' गीतवाली फिल्म-२,२
१७. 'मैं जब बोलूँ हाँ' गीत वाली जीतेंद्र, नीतू सिंह की फिल्म-४
१८. अशोककुमार, सुमिता की 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'दोस्त दोस्त ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
२०. अक्षय, करिश्मा की 'दिल ले गया' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'रजिया सुल्तान' में रजिया सुल्तान की शीर्षक भूमिका किसने की है-३
२६. 'तेरा क्या लगता है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'काजल' की नायिका कौन थी-३
२८. 'नयना तेरे नयना' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. कारगिल युद्ध पर बनी जे. पी. दत्ता की बहु-सितारा फिल्म-२,१,१
३. 'रूप सलोना तेरा' गीत वाली सनी, अक्षय, मनीषा की फिल्म-२,३
६. आमिर, माधुरी दीक्षित की 'खंभे जैसी खड़ी है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'अपना बनाना है' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
८. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश में' गीत वाली फिल्म-२
९. 'सिमट्रिम के गीत' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बबीता की फिल्म-४
१२. 'छोटा कद और पेट बड़ा' गीत वाली संजयदत्त, नम्रता की फिल्म-३
१३. अजय देवगन, मधु, सोनाली की 'किसी के इश्क' गीत वाली फिल्म-४
१५. फिल्म 'साथ' में जॉन अब्राहम की नायिका कौन थी-२
१८. अक्षय कुमार, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सात सुरों के तार' गीत वाली जैकी, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२१. फरदीन, करीना की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'डैडी कूल कूल' गीत वाली शाहरुख खान, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२३. राजीव कपूर, डिम्पल की 'कोई भी नाम दो' गीत वाली फिल्म-२
२४. अभिनेत्री पूजा भट्ट के पिता-३
२६. दिलीपकुमार, वहीदा रहमान की 'कल के सपने' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'तुझे ना देखूँ तो' गीत वाली जीतेंद्र, कमल सदाना, दिव्या की फिल्म-२
३०. सुनील शेट्टी, शिल्पा की 'पीछे पीछे आजा' गीत वाली फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली - 5565

Jagrutidaur.com, Bangalore

हेल्थ

सावधान! 10 से 18 साल के युवा डिप्रेशन की चपेट में

बड़े ही नहीं युवा भी अवसाद की जद में हैं। 10 साल के बच्चे से लेकर 18 साल के युवाओं में तेजी से अवसाद (डिप्रेशन) घर कर रहा है। इसकी बहुत सी वजह हैं। माता-पिता अपनी उम्मीदों को बच्चे पर थोपते हैं। पढ़ाई का पहले से ही दबाव रहता है। यह बातें बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. आशुतोष वर्मा ने यहां दी। केजीएमयू के कलाम सेंटर में यूपी पेडिकॉन की 39 वीं कान्फ्रेंस का आगाज हुआ। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. दिनेश चन्द्र पांडेय ने बताया कि मोबाइल-कम्प्यूटर और टीवी बच्चों सेहत का सबसे बड़ा दुश्मन बन गया है। छह साल की उम्र तक बच्चे को मोबाइल, कम्प्यूटर टीवी आदि से दूर रखें। इससे नजर कमजोर हो सकती है। छह साल से अधिक उम्र के बच्चे माता-पिता की देख-रेख में आधा एक घंटे मोबाइल देख सकते हैं। वह भी 20-20 मिनट के अंतराल पर। इंदौर के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. जेएस टुटेजा ने किशोरों में बढ़ रहे मानसिक तनाव पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि देश में किशोर स्वास्थ्य क्लीनिक खोलने की जरूरत है। माता-पिता बच्चों से लगातार संवाद रखे।

बस नौ मिनट के दुलार से नहीं बिगड़ेंगे बच्चों से रिश्ते

पीजीआई में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. पियाली भट्टाचार्या व कान्फ्रेंस के संयोजक डॉ. आशुतोष वर्मा ने बताया कि काफी संख्या में दम्पत्ति दोनों कामकाजी हैं। उनके पास बच्चों के संग वक्त गुजरने तक का मौका नहीं रहता है। ऐसे में सिर्फ नौ मिनट बच्चों के बीच गुजारें। इससे बच्चे में खुशी बढ़ेगी। माता-पिता के प्रति बच्चे का स्नेह बढ़ेगा।

ये है फार्मूला

-सुबह बच्चे के उठने के बाद माता-पिता उसे गले लगाएं। तीन मिनट दुलार करें।
-स्कूल से जब बच्चा घर लौटे तो उसे तीन मिनट तक प्यार करें। उसकी टाई सही करें। पीठ थपथपाएं। चेहरे और सिर पर स्नेह से हाथ फेरें।
-सोने से ठीक पहले बच्चे से तीन मिनट बातें करें। चिपकाकर लिटाएं।

रोज मैदान में एक घंटे खेले बच्चे

चिकित्सा शिक्षा विभाग में अपर निदेशक व बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. एनसी प्रजापति ने कहा कि बच्चे खेल-कूद के बजाए मोबाइल देखना अधिक पसंद कर रहे हैं। मैदान और पार्क गायब हो गए हैं। बीमारियों से बचने के लिए बच्चों को एक घंटे रोजाना मैदान में खिलाएं।

सूडोकू नवताल- 6129

* * * * मध्यम

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -6128 का हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

विचार प्रवाह

कोई अच्छा कार्य करो तो उसका श्रेय अपने पास नहीं रखना। उसका श्रेय अपने मां बाप को दे देना, अपने प्रभु, अपने गुरु को दे देना। श्रेय अपने पास रखोगे तो इससे अहंकार पैदा होगा। और कभी कोई काम बिगड़ जाये तो उसकी जिम्मेदारी खुद अपने ऊपर ले लेना। इससे भूल सुधार तो हो ही जाएगी एक बड़े पाप से भी बच जाओगे। लेकिन तुम इतने बेईमान हो कि कुछ भी अच्छा हुआ तो कहते होमेरी वजह से हुआ है और कभी कुछ बुरा हो तो उसके लिए कभी पत्नी को, कभी बच्चों को तो कभी किसी और को जिम्मेदार ठहराते हो। यह कैसी नाइंसाफी है?

■ मुनिश्री तरुणसागर

शब्द पहेली - 7152

बाएँ से दाएँ

1. अभिप्राय, अभिव्यक्ति-3
3. सादापन, भोलापन-4
6. अवश्य-3
7. कांच का मर्तबान-2
8. पानी से सराबोर-2
10. करधनी, कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
12. उद्धार, उत्कृष्ट-3
15. माला का मोती-3
17. सेवक, रोगी की देखभाल करने वाला-5
20. एक छोटी सवारी गाड़ी-2
22. चलने का ढंग-2
23. गर्भ-3
24. निम्न, निकृष्ट-4
25. कथा, गाथा-3

ऊपर से नीचे

2. कमरे में बंद करना-5
3. ईमान, नियत-3
4. क्षारीय-4
5. दीदार-3
7. आशिक, यार-2
9. एक विदेशी मदिरा-2
11. लीन, व्यस्त, मशगूल-3
13. उपस्थित-3
14. चलाने वाला, संचालक-5
15. मतवाला, उन्मादी-4
16. चाचा, अंकल-2
18. पैंतरा, वेग-2
19. काफी, कोको -3
21. गिरवी वस्तु-3

शब्द पहेली -7132 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

नर्सिंग होम एक्ट में बदलाव का विरोध

भोपाल। यूनाइटेड डाक्टर्स फोरम, नर्सिंग होम्स एसोसिएशन और और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) ने नर्सिंग होम एक्ट में बदलाव का विरोध किया है। उनका कहना है कि उनकी राय लिए बिना मनमाने ढंग से बदलाव कर दिया गया है। पंजीयन की फीस बढ़ा दी गई है। इसका असर मरीजों पर पड़ेगा। सबसे ज्यादा विरोध एक रेसीडेंट डाक्टर के सिर्फ एक जगह काम करने की नई व्यवस्था का हो रहा है। इन संगठनों का कहना है कि इस व्यवस्था से कई अस्पतालों के बंद होने की नौबत आ सकती है। एक डाक्टर एक ही जगह काम करेगा तो उसकी पर्याप्त आमदनी नहीं होगी। ऐसे में कोई डाक्टर मप्र में क्यों रहेगा। बता दें कि राज्य सरकार ने 1973 से लागू नर्सिंग होम एक्ट में इसी हफ्ते बदलाव किया है। इसमें सबसे बड़ा बदलाव यह किया गया है कि आयुष डाक्टर एलोपैथी के नर्सिंग होम नहीं खोल सकेंगे। इसी तरह से एलोपैथी डॉक्टर आयुष के नर्सिंग होम नहीं खोल सकेंगे ।एक रेसीडेंट डाक्टर सिर्फ एक जगह काम करेगा, तो उसे बड़ा आर्थिक नुकसान होगा, क्योंकि एक अस्पताल उतना पैसा नहीं दे पाएगा। ऐसे में कोई भी डाक्टर मध्यप्रदेश में काम क्यों करेगा। जहां उसे ज्यादा पैसा मिलेगा, वहां जाएगा। अस्पताल डाक्टर को ज्यादा वेतन देंगे तो इसका भी अप्रत्यक्ष रूप से भार मरीज पर ही आएगा।

-डा. अनूप हजेला, अध्यक्ष यूनाइटेड डाक्टर्स फोरम

अब यह व्यवस्था कर दी गई है नया डाक्टर या स्टाफ रखने के बाद तीन दिन के भीतर सीएमएचओ को सूचना देनी होगी। अब हम लोग स्टाफ की भर्ती करने के बाद करीब महीने भर उसका काम देखते हैं। इसके बाद ही नियमित करते हैं। 20 बिस्तर पर चार नर्स रखने की व्यवस्था भी कठिन है। इस प्रविधान में कुछ गफलत लग रही है। फीस भी बढ़ा दी गई है।

केंद्र ने जिस गेहूं को लेने से इन्कार किया
प्रदेश सरकार ने उसे 1200 करोड़ रुपये में बेचा

भोपाल। केंद्र सरकार ने मध्य प्रदेश के जिस छह लाख 43 हजार टन गेहूं को सेंट्रल पूल में लेने से मना कर दिया था, उसे प्रदेश सरकार ने लगभग 12 सौ करोड़ रुपये में बेचा है। खुले बाजार में नीलामी के माध्यम से राज्य नागरिक आपूर्ति निगम ने इस गेहूं की बिक्री की है। तीन लाख टन गेहूं के उठाव के अनुबंध भी हो चुके हैं। यह गेहूं कमल नाथ सरकार के समय में खरीदा गया था। तब सरकार ने किसान समृद्धि योजना प्रारंभ करके किसानों को प्रति क्विंटल 165 रुपये प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की थी। इसे केंद्र सरकार ने बोनस मानते हुए सेंट्रल पूल में लेने से मना कर दिया था। काफी मान-मनौव्वल के बाद भी जब बात नहीं बनी तो शिवराज सरकार ने इसे नीलाम करने का निर्णय लिया।

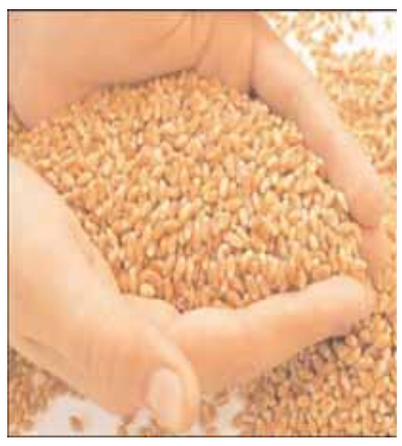

छोटे-छोटे समूह बनाए तो मिली अच्छी कीमत

राज्य नागरिक आपूर्ति निगम पर बढ़ते जा रहे कर्ज के बोझ को कम करने के लिए सरकार ने छह लाख 43 हजार टन गेहूं को नीलाम करने का फैसला किया। निगम ने पहले दो लाख टन गेहूं नीलाम करने के लिए निविदा निकाली पर शर्तों को लेकर विवाद हो गया और सरकार ने पूरी प्रक्रिया को निरस्त कर दिया। इसके बाद छोटे-छोटे समूह बनाकर गेहूं नीलाम करने का कदम उठाया गया। इस प्रयास को सफलता मिली और औसत एक हजार 875 रुपये प्रति क्विंटल की दर प्राप्त हुई, जो समर्थन मूल्य से अधिक रही। अधिकांश गेहूं का गोदामों से उठाव करने के लिए अनुबंध हो गए हैं। निगम को गेहूं की बिक्री से लगभग एक हजार 200 करोड़ रुपये मिलेंगे। हालांकि, इसके बाद भी निगम लगभग साढ़े चार सौ करोड़ रुपये के घाटे में रहेगा क्योंकि किसान को भुगतान करने के बाद गेहूं के भंडारण, परिवहन सहित अन्य कार्यों में बड़ी राशि व्यय होती है।

यह था विवाद

2019-20 में किसानों से एक हजार 840 रुपये प्रति क्विंटल की दर से 72 लाख टन गेहूं खरीदा गया था। खरीद प्रारंभ होने के पहले कमल नाथ सरकार ने किसानों को 165 रुपये प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की थी। खरीद के दौरान जब सेंट्रल पूल में गेहूं देने की बात आई तो केंद्र सरकार ने इस पर आपत्ति उठाई। दरअसल, केंद्र और राज्य सरकार के बीच अनुबंध है कि खरीद के पहले ऐसा कोई कदम नहीं उठाया जाएगा, जिसका बाजार पर विपरीत असर पड़े। जबकि, प्रदेश सरकार का तर्क था कि किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए राशि दी जा रही है पर केंद्र सरकार इससे सहमत नहीं हुई।

उज्जैन में सर्वाधिक दो हजार 52 रुपये में बिका

गेहूं की नीलामी में सर्वाधिक दो हजार 52 रुपये प्रति क्विंटल की दर उज्जैन में प्राप्त हुई है। जबकि, सबसे कम एक हजार 629 रुपये की प्रति क्विंटल की दर रीवा में मिली थी। इस निविदा को शासन ने निरस्त कर दिया और अब 12 हजार 80 टन गेहूं की दोबारा नीलामी की जाएगी।

भोपाल के एमएलबी कालेज में
स्नातकोत्तर में कथक की पढ़ाई भी होगी

भोपाल। राजधानी के सरकारी महारानी लक्ष्मी बाई कन्या महाविद्यालय (एमएलबी कालेज) में अब कथक की पढ़ाई भी होगी। सरकार ने कालेज में स्नातकोत्तर स्तर पर इस विषय की पढ़ाई शुरू करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही सरकार ने प्रदेश के 262 सरकारी और 17 निजी कालेजों में 25 हजार सीटें बढ़ा दी हैं। इतना ही नहीं, मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री डा. मोहन यादव ने कहा है कि जो कालेज प्रवेश के लिए अधिक आवेदन आने की स्थिति में सीटें बढ़ाना चाहते हैं, वे सीट बढ़ाने का प्रस्ताव सरकार को भेज दें। 21 अक्टूबर तक उनके आवेदनों पर निर्णय लिया जाएगा। सरकार ने भोपाल के एमएलबी सहित उज्जैन के सरकारी माधव कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में स्नातकोत्तर स्तर पर अर्थशास्त्र, हिंदी और राजनीति शास्त्र विषयों की पढ़ाई की मंजूरी दे दी है। वहीं माधव विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्नातक आधार पाठ्यक्रम, इतिहास, भूगोल, राजनीति शास्त्र, समाज शास्त्र, अर्थशास्त्र, हिन्दी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य एवं कम्प्यूटर एप्लीकेशन, बीकाम, बीकाम विद कम्प्यूटर एप्लीकेशन और बीकाम विद टैक्सेशन की पढ़ाई की मंजूरी दे दी है। विभाग के मंत्री का कहना है कि शैक्षणिक सत्र 2021-22 में इन कालेजों में नए विषयों को शुरू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश है कि सभी विद्यार्थियों को इसी सत्र में प्रवेश मिले और जो नए विषय शुरू किए गए हैं, उनका लाभ मिले।

मानदेय घोटाला-दोषियों को क्लीनचिट देने वाले अफसरों की जांच

भोपाल जिले की आठ बाल विकास परियोजनाओं में सबसे पहले घोटाला पकड़ में आया

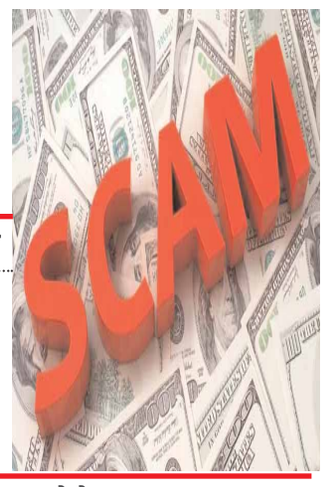

भोपाल। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं के मानदेय घोटाले की जांच कर क्लीनचिट दे चुके तीन अफसरों की जांच के लिए नई समिति बना दी गई है। यह समिति पुराने जांच प्रतिवेदनों का परीक्षण करेगी और संबंधितों के बयान लेकर राज्य शासन को रिपोर्ट सौंपेगी। मध्य प्रदेश के भोपाल सहित 14 जिलों में 26 करोड़ रुपये से अधिक के मानदेय घोटाले में अब बड़े अधिकारी फंसते दिखाई दे रहे हैं। पहली बार उन अधिकारियों की जांच के लिए समिति बनाई गई है, जिन्होंने मानदेय घोटाले की शिकायत को जांच में फर्जी बताकर आरोपितों को क्लीनचिट दे दी थी। भोपाल जिले की आठ बाल विकास परियोजनाओं में सबसे पहले घोटाला पकड़ में आया। यहां प्रदेश में सबसे ज्यादा साढ़े छह करोड़ का घोटाला हुआ है। मामले की शिकायत होने पर भोपाल की तत्कालीन संयुक्त संचालक स्वर्णिमा शुक्ला से जांच कराई गई। उन्होंने शिकायत को झूठा बताया। फिर महिला एवं बाल विकास संचालनालय में पदस्थ उप संचालक ज्योति श्रीवास्तव और फिर वित्त सलाहकार राजकुमार त्रिपाठी से जांच कराई गई। इन अधिकारियों ने भी शिकायत को ही झूठा ठहराकर आरोपितों को क्लीनचिट दे दी। जब प्रदेश के महालेखाकार ने मामला पकड़ा और नए सिरे से समिति बनाई गई। तब घोटाले की परतें खुलीं और एक-एक कर आरोपितों के चेहरे सामने आ गए। मामले में तीन लिपिकों को बर्खास्त किया जा चुका है, तो आठ परियोजना अधिकारी और दो लिपिक निलंबित हैं। उल्लेखनीय है कि जिम्मेदार अधिकारी एक महीने में दो बार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं का मानदेय निकालते थे। इसमें से दूसरे बार की राशि अपने रिश्तेदार या परिचितों के बैंक खातों में जमा कराते थे।

रमनवाल करेंगे जांच

अपनी जांच में शिकायत को गलत ठहराने वाले और आरोपितों को क्लीनचिट देने वाले अधिकारियों की जांच अपर संचालक आरपी रमनवाल के नेतृत्व में प्रभारी वित्त सलाहकार एनके जोशी और सहायक संचालक सुबोध गर्ग करेंगे। इस समिति को 15 दिन में रिपोर्ट सौंपना है। हालांकि रिपोर्ट कब तक सौंपी जाएगी, यह क्लीनचिट देने वाली तीनों जांच समितियों के जांच प्रतिवेदन मिलने के बाद ही पता चलेगा। यदि प्रतिवेदन जल्दी मिल गए, तो समय से जांच रिपोर्ट सौंपी जा सकेगी। वरना, देरी तय है। इसके साथ ही यह भी तय है कि प्रतिवेदनों में यह पाया गया कि संबंधित अधिकारियों ने जानबूझकर सही जांच नहीं की है, तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई होना तय है।

धीरे-धीरे बढ़ रहा है कोयले का स्टाक-केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी
90 टन के स्वदेशी इलेक्ट्रिक डंपर को दिखाई हरी झंडी

सिंगरौली। देश कोयला संकट से धीरे-धीरे उबर रहा है। आज हमारे पास चार दिन का स्टाक है। पहले हामरे पास 7.2 और 7.3 मिलियन टन स्टाक था। आज हमारे पास 7.5 मिलियन टन का स्टाक है। आगे भी दो मिलीयन प्लस बिजली क्षेत्र से डिमांड है। जिसे हम कोल इंडिया सिंगरौली सहित अन्य कोल माइंस से पूरा करेंगे। यह बात मंगलवार को एक दिवसीय दौरे पर आए केंद्रीय कोयला, खान एवं संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी ने पत्रकारों से चर्चा करने के दौरान कही। केंद्रीय कोयला मंत्री प्रहलाद जोशी ने मंगलवार को मध्य प्रदेश के सिंगरौली स्थित नार्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड का दौरा किया। मंत्री ने एनसीएल प्रबंधन के साथ कोयला उत्पादन व परिवहन पर समीक्षा बैठक की। उन्होंने देश के बिजली संयंत्रों को निर्बाध कोयला आपूर्ति के लिए एनसीएल के प्रयासों की सराहना की। इस दौरान उन्होंने निगाही परियोजना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ खदान संचालन के बारे में चर्चा की और उत्पादन और परिवहन में तेजी लाने के कहा। इसके बाद दूधिचुआ परियोजना में फस्ट माइल कनेक्टिविटी (एफएमसी) के तहत 10 मिलियन टन वार्षिक क्षमता के नए साइलो की आधारशिला भी रखी। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने निगाही व्यू पॉइंट का खदान को देखा। इस दौरान मंत्री ने परियोजना के सर्वश्रेष्ठ कामगारों को सम्मानित किया और खदान में तैनात खनिकों की टीम को उत्पादन और परिवहन में बढ़ोतरी के लिए प्रोत्साहित किया।

जयंत में देखा गंगा ड्रैगलाइन व सरफेस माइनर का संचालन

एनसीएल की सबसे बड़ी कोयला खदान में से एक जयंत ओसीपी भी मंत्री प्रहलाद जोशी गए। खदान में संचालित गंगा ड्रैगलाइन व सरफेस माइनर का संचालन देखा।

90 टन के स्वदेशी इलेक्ट्रिक डंपर को दिखाई हरी झंडी

मंत्री ने निगाही परियोजना में मेक इन इंडिया के तहत तैयार 190 टन के स्वदेशी इलेक्ट्रिक डंपर को हरी झंडी दिखाई। साथ ही पौधारोपण कर खदानों के चारों ओर हरित आवरण को बढ़ाने का संदेश दिया और टीम एनसीएल को दीर्घकालिक खनन गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित किया।

तीन दिन बाद शहर में फिर कोरोना की आमद, मिले तीन संक्रमित

इंदौर । लगातार तीन दिन की राहत के बाद मंगलवार को एक बार फिर कोरोना ने शहर में दस्तक दे दी। हालांकि सिर्फ तीन ही संक्रमित मिले हैं। मंगलवार को 6659 सैंपलों की जांच की गई थी। राहत की बात यह भी है कि शहर में कोरोना के उपचाररत मरीजों की संख्या भी एक अंक में पहुंच गई है। फिलहाल सिर्फ नौ लोगों का कोरोना का इलाज चल रहा है। इन सभी की स्थिति नियंत्रित बताई जा रही है। किसी समय शहर में रोजाना बड़ी संख्या में कोरोना संक्रमित मिल रहे थे। 25 अप्रैल 2021 को तो एक ही दिन में 1841 संक्रमित मिले थे। यह इंदौर में एक ही दिन में मिलने वाले कोरोना संक्रमितों की सबसे बड़ी संख्या है। पिछले दो महीने से शहरवासियों को कोरोना से राहत जारी है। 16, 17 और 18 अक्टूबर तीनों ही दिन शहर में कोरोना का एक भी मरीज नहीं मिला। इन तीन दिनों में 20 हजार से ज्यादा सैंपलों की जांच की गई। मंगलवार को दो मरीज बीमारी को हराकर डिस्चार्ज भी हुए। इसे मिलाकर अब तक शहर में एक लाख 51 हजार 794 कोरोना संक्रमित बीमारी से ठीक हो चुके हैं।

दूसरे टीके से परहेज करने वालों ने बढ़ाई चिंता

शहर की शत प्रतिशत वयस्क जनसंख्या को कोरोना का पहला टीका लग चुका है लेकिन दूसरे टीके से परहेज करने वालों ने शासन, प्रशासन की चिंता बढ़ा रखी है। अब भी शहर में पांच लाख से ज्यादा लोग हैं जिन्होंने बारी आने के बावजूद कोरोना का दूसरा टीका नहीं लगवाया है। अब ऐसे लोगों की पहचान के लिए विशेष अभियान चलाए जाने की तैयारी चल रही है। सार्वजनिक स्थान जैसे रेलवे स्टेशन, गार्डन, बस स्टैंड, मंदिर आदि जगहों पर प्रवेश के लिए दूसरे टीके की अनिवार्यता को लागू करने की तैयारी चल रही है।

कपड़ा व्यापारी से मामूली कहासुनी के बाद युवकों ने दुकान में हमला किया

दहशत फैलाने की नियत से दुकान में चाकू लहरा दिए

भोपाल । न्यू मार्केट में स्थित सेंटर पाइंट के पास में सोमवार शाम को कपड़ा व्यापारी और दो युवकों के बीच कहासुनी हो गई। मामूली कहासुनी के बाद युवकों ने कुछ देर बाद अपने आधा दर्जन से अधिक साथियों के साथ मिलकर व्यापारी की दुकान में हमला कर दिया। जहां दुकान संचालकों सहित अन्य कर्मचारियों के साथ मारपीट की गई। इतना ही नहीं आरोपितों ने दहशत फैलाने की नियत से दुकान में चाकू लहरा दिए। मामले में पुलिस ने आरोपियों की गाड़ी के नंबर के आधार पर प्रकरण दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपित की गिरपफतारी नहीं हो सकी है। टीटी नगर पुलिस के अनुसार प्रशांत जैन और प्रदीप जैन दोनों सेंटर पाइंट के पास में कपड़ों की दुकान का संचालन करते हैं ।सोमवार वहां दो युवक खरीददारी करने पहुंचे थे। जहां आरोपियों ने कपड़ों को पसंद करने के बाद में भाव पूछा। सैल्समेन ने 27 सौ रुपए बताए। तब आरोपितों ने मोलभाव करते हुए कपड़े के आधे भाव लगा दिए। इस पर प्रशांत ने दोनों युवकों से कहा की आप नहीं ले पाओगे कपड़े। इसके बाद में आरोपितों और दुकानदार के बीच बहसबाजी हो गई। कुछ देर में युवक वहां से चले गए। थोड़ी देर बाद में युवक अपने दो अन्य साथियों के साथ में अलग-अलग दो पहिया वाहनों से प्रशांत की दुकान पहुंचे। वहां दोनों भाईयों सहित कर्मचारियों की भी आरोपियों ने धुनाई कर दी और चाकू लहरा दिए। इसके बाद में आरोपित जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। प्रशांत जैन की शिकायत पर पुलिस ने मारपीट सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपितों की गिरफतारी नहीं हो सकी है। गाड़ी के नंबर के आधार पर उनकी तलाश की जा रही है।

सायबर क्राइम का हब बना भोपाल

भोपाल। राजधानी में आनलाइन ठगी की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। हाल ही में गांधी मेडिकल कालेज में एक जूनियर डाक्टर से 90 हजार की ठगी का मामला सामने आया है। इसके अलावा तीन और आनलाइन ठगी के मामले सामने आए है। महिला डाक्टर समेत चार लोगों से सवा दो लाख की ठगी की गई है। क्राइम ब्रांच के अनुसार जीएमसी की महिला डाक्टर आकांक्षा तिवारी ने शिकायत की है कि नवंबर 2020 में उनको इंटरनेट मीडिया ग्रुप से एक लिंक मिली थी। उसके खोलने के बाद शेयर बाजार में निवेश कराने को लेकर नंबर मिले थे। इन नंबर पर बात करने पर उनको शेयर मार्केट में निवेश कराया गया। उसमें कोई लाभ नहीं मिला तो उनके 90 हजार रुपये आरोपित लौटा नहीं रहे हैं। इस पर उन्होंने एफआइआर साइबर में दर्ज कराई है। अवधपुरी में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही 23 वर्षीय छात्रा ठगी की शिकार हो गई। पहले तो आरोपितों ने उसे 26 सितंबर को नौकरी के नाम पर आफर लेटर देकर अलग- अलग शुल्क ले ली। बाद में उसे आनलाइन टास्क देकर काम कराने लगे। जब वेतन देने बात आई तो आरोपितों ने उसे लिंक भेजकर वेतन देने की बात कही। पीड़िता ने जब लिंक को खोला तो उसके खाते से पचास हजार रुपये निकाल लिए गए। पीड़िता ने सीनियर से बात की तो उसने 63 हजार रुपये जमा करने का बोला। छात्रा ने कहा कि उसके पास इतने रुपये नहीं है तो आरोपित ने अश्लील बातें की। बाद में छात्रा ने एफआइआर दर्ज करा दी। इसी तरह से अवधपुरी के बालाजी नगर में रहने वाले अशोक मेहरा को 20 सितंबर को फोन आया और उसने कौन बनेगा करोड़पति के माध्यम से 25 लाख का ईनाम लगने की बात कहकर उनसे अपने खाते में दो बार में 52 हजार जमा करवा लिए। बाद में आरोपित ने सभी संपर्क बंद कर दिए।

महिला से 25 हजार ठगे

बजरिया पुलिस ने एक महिला की रिपोर्ट पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक रचना ठाकुर (37) कोच फैक्ट्री रोड राजेंद्र नगर में रहती हैं। आठ अक्टूबर को अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें फोन किया और उनके फोन-पे अकाउंट के बारे में कुछ डिटेल जानकारी ली। उसके बाद रचना के अकाउंट से 24 हजार 996 रुपये कट गए।

राज्य शिक्षा सेवा संवर्ग ने अध्यापकों को किया सुविधाओं से वंचित

शासकीय अध्यापक संघ की मुख्यमंत्री से मांग है कि राज्य शिक्षा सेवा संवर्ग में संविलियन अध्यापकों को सभी प्रकार के लाभ दिए जाएं

भोपाल। शासन ने साल 2018 में अध्यापक संवर्ग का राज्य शिक्षा सेवा कैडर में संविलियन किया गया। शिक्षा विभाग में संविलियन, समान पदनाम एवं सेवा शर्तों की मांगों को लेकर 22 वर्षों से संघर्षरत अध्यापकों को जुलाई 2018 में आशा की किरण जाग्रत हुई कि राज्य शिक्षा सेवा संवर्ग में शामिल होने के बाद उनकी लंबित समस्याओं का निराकरण हो जाएगा। उनकी वर्षों से नियमित शिक्षक संवर्ग के समान शिक्षा विभाग की सेवा शर्तें एवं सुविधाओं का लाभ प्रदान होने लगेगा, लेकिन जुलाई 2018 से लागू राज्य शिक्षा सेवा संवर्ग में अध्यापक संवर्ग का संविलियन के स्थान पर नियुक्ति मिलने से 20 वर्षों से संघर्षरत अध्यापको की आशा निराशा में बदल गई, क्योंकि नये केडर की विसंगति पूर्ण सेवा शर्तों ने अध्यापकों की वरिष्ठता, पदोन्नति, क्रमोन्नति, ग्रेच्युटी, पेंशन जैसी सुविधाओं पर ग्रहण लगा दिया हैं। मप्र शासकीय अध्यापक संगठन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र कौशल ने बताया कि राज्य शिक्षा सेवा संवर्ग में अध्यापक संवर्ग का नियुक्ति के स्थान पर संविलियन किया जाता तो वरिष्ठता, पदोन्नति, क्रमोन्नति, ग्रेच्युटी, परिवार पेंशन इत्यादि सुविधाओं से वंचित नहीं होना पड़ता, लेकिन विभाग के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री की घोषणा के विरुद्ध शिक्षा विभाग में संविलियन के स्थान पर जुलाई 2018 से नए कैडर में नियुक्ति कर देने से अध्यापकों के भविष्य के सामने संकट खड़ा हो गया है। अब अध्यापक अपने को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। शासन से निराश अध्यापकों ने राज्य शिक्षा सेवा संवर्ग की विसंगति पूर्ण सेवा शर्तों के खिलाफ हाईकोर्ट जबलपुर, इंदौर, ग्वालियर में याचिकाएं दायर कर नियुक्ति के स्थान पर संविलियन करने, प्रथम नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता, वेतन विसंगतियों में सुधार, परिवार पेंशन के लिए न्यायालय में न्याय की गुहार लगाई है। जुलाई 2018 से नए कैडर में नियुक्ति होने के बाद भी विगत तीन वर्षों में दिवंगत एवं सेवानिवृत्त अध्यापकों को ग्रेच्युटी, पेंशन इत्यादि सुविधाओं का लाभ भी नहीं मिल सका जिसके कारण उनके आश्रित परिवारों को अनेकों आर्थिक समस्याओं के कारण दर-दर की ठोकरें खाने को विवश होना पड़ा रहा है। शासकीय अध्यापक संघ ने मुख्यमंत्री से मांग है कि राज्य शिक्षा सेवा संवर्ग में नियुक्ति शब्द के स्थान पर संविलियन कर अध्यापक संवर्ग की वर्षों पुरानी शिक्षा विभाग में संविलियन की मांग पूर्ण की जाए।

हेलिपेड पर पुलिस अफसर की गोद में बच्ची देख किया दुलार

सीएम चंद्रशेखर आजादनगर के पास झोतराड़ा में बनाए हेलिपेड से रवाना हुए। यहां उन्होंने ड्यूटी पर तैनात धार में पदस्थ डीएसपी मोनिका सिंह की गोद में बच्ची को देखा तो उसे दुलार किया। सीएम ने पुलिस अफसर से भी कुछ देर बात की। इससे पहले काबरीसेल में भी सीएम ने एक बच्ची को गोद में लेकर दुलार किया।

अब आपको भोपाल आना पड़ेगा-बोले सीएम

काबरीसेल के लोगों से मैं यहां आया

आलीराजपुर। जोबट विधानसभा उपचुनाव के लिए जनसभाओं को संबोधित करते यहां आए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मंगलवार रात चंद्रशेखर आजादनगर के समीप ग्राम काबरीसेल में गांव के सरपंच व भाजपा कार्यकर्ता भारचंद भूरिया के यहां रात गुजारी। बुधवार सुबह यहां से निकलने से पहले सीएम ने ग्रामीणों से चर्चा की। उन्होंने कहा, मैं यहां आया हूं, अब आपको भी भोपाल सीएम हाउस पर आना पड़ेगा। इस पर एक ग्रामीण महिला बोलीं, यह हमारा भाग्य है कि आप यहां आए। हम भी जरूर भोपाल आएंगे। सीएम शिवराज ने ग्रामीणों से चर्चा में कहा कि यहां यह अच्छा काम हुआ है कि गांव-गांव तालाब खोद दिए गए। इससे वाटर लेवल उपर आया है। कुएं और बोर में पानी रहता है। उन्होंने कहा मुझे बताया गया कि यहां के तालाब आठ फीट तक की मछलियां हैं, जिन्हें मारा नहीं जाता। आपका संदेश पूरे मध्य प्रदेश को दूंगा। जैसे आप लोगों ने तालाब बनाए, वैसे सभी जगह बनाए जाएं। कई जगह पर तो तालाब खत्म ही हो गए। इन पर कब्जे हो गए हैं। उन्होंने कहा, जब मैं मुख्यमंत्री बना तब पंचायतों का कार्यकाल खत्म हो रहा था। मैंने सोचा कि अफसरों की बजाए सरपंच ही बेहतर ढंग से काम कर सकते हैं। यह फर्क आप लोग अच्छी तरह जानते हैं। क्योंकि जनता के बीच का आदमी ज्यादा अच्छे ढंग से काम कर सकता है। इसलिए मैंने पंचायतों का कार्यकाल आगे बढ़ा दिया।

बड़वारा के आदिवासी परिवारों को अब घर में मिलेगा कोटे का राशन

प्रदेश के 89 आदिवासी विकासखंडों के लिए आपका राशन- आपके द्वार योजना को सरकार की हरी झंडी

कटनी। प्रदेश सरकार अब आदिवासी परिवारों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत दिया जाने वाला राशन उनके घर तक पहुंचाएगी। राशन के लिए अब उन्हें उचित मूल्य राशन दुकानों तक नहीं जाना होगा। प्रदेश के 89 आदिवासी विकासखंडों के लिए इस योजना को कैबिनेट की बैठक में भी स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पिछले महीने की 18 तारीख को अमर शहीद राजा रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने जबलपुर आये थे तभी उन्होंने इस योजना की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद एक महीने में ही राज्य सरकार की कैबिनेट इस योजना को मंजूरी प्रदान कर दी है। प्रदेश की एक लोकसभा सीट और तीन विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के चलते यहां अभी इस योजना को लागू नहीं किया जायेगा। प्रदेश के 89 में से 80 आदिवासी विकासखंडों में यह योजना लागू हो जायेगी। सरकारी सूत्रों के अनुसार इस योजना से अब प्रदेश के 22 लाख से अधिक परिवारों को घर बैठे राशन उपलब्ध होगा। योजना के तहत राशन वितरण के लिए जो वाहन खरीदे जाएंगे वे भी आदिवासियों के नाम पर होंगे। इन वाहनों के लिए आदिवासी परिवार के बेरोजगार युवकों को सरकार की गारंटी पर बैंकों से ऋण उपलब्ध कराया जायेगा। योजना के सही क्रियान्वयन के लिए 15 - 15 गांवों का कलस्टर बनाया जाएगा। इस योजना से 500 आदिवासी युवकों को सीधा जोड़कर रोजगार उपलब्ध कराने की भी सरकार की मंशा है। बताया गया कि इस योजना की घोषणा हालांकि प्रदेश में उपचुनावों की आचार संहिता लागू होने से पहले 18 सितंबर को ही कर दी गई थी इसके बाद भी योजना मंजूरी के लिए निर्वाचन आयोग को भेजी जाएगी। फिलहाल उपचुनाव वाले छेत्र के आदिवासी विकासखंडों में योजना के क्रियान्वयन पर रोक रहेगी। उपचुनाव की आचार संहिता समाप्त होने के बाद यहां भी इस पर अमल शुरू हो जाएगा।

ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर जरूरतमंदों को कराया भोजन

कटनी। पैगंबर मोहम्मद साहब के जन्मदिवस के अवसर पर अंजुमन इस्लामिया कमेटी के अध्यक्ष कैस मोहम्मद, अकील सिद्दीकी, जाकिर हुसैन निरंजन पंजवानी, मुकेश खरे, लक्ष्मीकांत भारद्वाज एवं अन्य सदस्यों ने रोटी कुटी में पहुंचकर ईद मिलादुन्नबी के जरूरतमंदों को भोजन एवं फल वितरित किया। पैगंबर साहब के जन्मदिवस ईद मिलादुन्नवी के मौके पर जाग्रति पार्क में पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश आम नागरिकों को दिया गया। साथ ही समाज के सभी वर्गों के लिए अमन चैन और खुशी की दुआ की गई।

एड्स जागरूकता को लेकर हुई भाषण स्पर्धा

दीवारों पर भी लिखे जागरूकता के संदेश

कटनी। राष्ट्रीय सेवा योजना, रेड रिबन क्लब एवं मध्यप्रदेश एड्य नियंत्रण समिति के माध्यम से आजादी के अमृत महोत्सव के तहत प्रथम चरण में 12 अगस्त से 18 अगस्त तक एड्स जागरूकता अभियान चलाया गया था। इस अभियान का दूसरा चरण 12 अक्टूबर से शासकीय तिलक कॉलेज में भाषण प्रतियोगिता से प्रारंभ किया गया। प्रतियोगिता में रामकुमार बी.ए. तृतीय वर्ष ने प्रथम स्थान, आकाश दुबे बी.एस.सी. तृतीय वर्ष एवं अभिनन्दन कुषवाहा बी.ए. द्वितीय वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में 18 अक्टूबर को एड्स उन्मूलन जागरूकता संबंधी अभियान में दीवार लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम स्थान कुमारी वन्दना बर्मन बी.ए. द्वितीय वर्ष, द्वितीय स्थान कुमार आयुषी पाल बी.कॉम द्वितीय वर्ष एवं तृतीय स्थान राघवेन्द्र नामदेव बी.ए. द्वितीय वर्ष ने प्राप्त किया। इन दोनों कार्यक्रमों के निर्णायक डॉ. व्ही.के.द्विवेदी, जितेन्द्र साकेत, अमित चौधरी, आनन्द सिंह, राजेश साहू, सुश्री माहेश्वरी पटेल रहे। अंत में डॉ. माधुरी गर्ग कार्यक्रम अधिकारी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

पशुओं की नस्ल सुधारने व बीमारियों से बचाव के लिए पशु सखी देंगी गांवों में सेवाएं

आजीविका मिशन ने समूह की 30 महिलाओं को किया प्रशिक्षित, खुद भी जुड़ेंगी स्वरोजगार से, बनेगी आत्मनिर्भर

कटनी। राज्य सरकार आजीविका मिशन के माध्यम से समूह बनाकर गांव की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने लगातार प्रयास कर रही है। नर्सरी, कुटीर उद्योग, मुर्गी पालन, भैंस पालन के अलावा अन्य क्षेत्रों का भी प्रशिक्षण महिलाओं को दिया जा रहा है और गांवों में उनकी सेवाएं भी ली जा रही हैं। जिसके माध्यम से महिला सशक्तिकरण के साथ आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रही हैं। अब समूह की महिलाओं को पशु सखी के रूप में प्रशिक्षित किया गया है। प्रशिक्षित सखियां गांव जाकर लोगों को उन्नत नस्ल के पशु पालने, सामान्य रोगों की जानकारी, बचाव सहित अन्य जानकारी देंगी और खुद भी उसके माध्यम से जुड़कर पशुपालन के जरिए आत्मनिर्भर बनेगी। जिले में आजीविका मिशन अंतर्गत संचालित महिला समूहों की 30 सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया है। गांव अधिकांश लोग पशुपालन करते हैं लेकिन पशुओं की देशी नस्ल के कारण उन्हें उनका सही लाभ नहीं मिल पाता है। प्रशिक्षित सखियां गांव में ऐसे लोगों को उन्नत नस्ल के पशु पालने और उसके लिए शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी देंगी। इसके अलावा पशुओं को होने वाले सामान्य रोगों की जानकारी और उससे बचाव के तरीके भी सखी पशुपालकों को बताएंगी और प्राथमिक उपचार भी सखी कर सकेंगी। दूध देने वाले पशुओं की देखभाल कैसे की जाए और दूध उत्पादन के साथ ही अन्य लाभ क्या हो सकते हैं, इसकी जानकारी भी सखियां ग्रामीणों के साथ ही महिला समूह की महिलाओं को भी देंगी।

डेयरी संचालन, बकरी पालन से भी करेंगी प्रेरित

गांवों में महिला समूह की सदस्यों को शासन की योजनाओं के तहत डेयरी पालन, बकरी पालन, मुर्गी पालन आदि के लिए भी प्रेरित करने का कार्य पशु सखियां करेंगी ताकि गांव की महिलाएं आत्मनिर्भर होकर पुरूषों के कांधे से कांधा मिलाकर अपने परिवार को अच्छे से भरण पोषण कर सकें। दूसरों को प्रेरित करने के अलावा प्रशिक्षण के बाद सखी भी अपने घरों में पशुपालन व उसे जुड़े अन्य माध्यमों से आय का साधन बनाएंगी।

गौ उत्पाद भी करेंगी तैयार

पशु पालन के साथ ही गौ उत्पाद तैयार करने का प्रशिक्षण भी पशु सखियों को दिया गया है। जिसके माध्यम से वे अपने घरों में जैविक खाद, कीटनाशक, गौ मूत्र आदि उत्पाद भी तैयार करेंगी और ग्रामीणों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगी। गौ उत्पादों के माध्यम से पशु सखी अपनी आय का जरिया भी बना सकेंगी।

होटल, गार्डन और रेस्टारेंट पहुंचा दल

गीले कचरे से खाद बनाने लोगों को किया जागरूक

कटनी। नगर पालिक निगम कटनी द्वारा नियुक्त सहयोगी संस्था के माध्यम से नगर की सफाई व्यवस्था को सुचारू रखनें हेतु नागरिकों को जागरूक करनें के निरंतर प्रयास किये जा रहे है। इसी श्रंखला में निगमायुक्त सत्येन्द्र सिंह धाकरे के निर्देशन एवं नोडल अधिकारी सुनील सिंह के मार्गदर्शन में विगत दिवस निगम की सहयोगी संस्था द्वारा लाल बहादुर शास्त्री वार्ड स्थित वल्लभ नगर खेर माता मंदिर के गार्डन एवं मिश्री गार्डन में वेस्ट टू कंपोस्टिंग के माध्यम से ठोस अपशिष्ट उत्पादकों से खाद का निर्माण करनें हेतु अभियान के माध्यम से जानकारी प्रदान की गई। अभियान के दौरान अपशिष्ट पदार्थ जैसे सब्जी, फल, अंडे के छिल्के, चयपत्ती फूल, पौधों के पत्तियां एवं अन्य प्रकार का गीले कचरे से घर पर ही मटका खाद तैयार करनें की जानकारी प्रदान की गई। निगम की नियुक्त एजेंसी के सदस्यों द्वारा नगर के बडे होटलों, रेस्टारेंटों में भी संपर्क कर कंपोस्टिंग के माध्यम से खाद तैयार कर होटलों एवं रेस्टारेंट के बगीचों एवं घरों के गमलों में इसका प्रयोग पर जमीन एवं मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढानें की जानकारी प्रदान की जाकर नागरिकों को इस प्रक्रिया को अपनानें एवं निकलनें वाले कचरे की मात्रा को कम करनें की अपील की गई।

देश का सबसे बडा हिन्दूसंगठन बजरंग सेना में दीपक सराठे जी को मध्यप्रदेश के सचिव पद पर पदोन्नत किया

गोटेगांव। बजरंग सेना राष्ट्रीय अध्यक्ष रणवीर पटेरिया एवं राष्ट्रीय महासचिव राष्ट्रीय कोर कमेटी की अनुशंसा पर गोटेगांव नगर के समाजसेवी एवम मिलनसार व्यक्तित्व के धनी दीपक सराठे को बजरंग सेना मध्यप्रदेश के सचिव पद पर पदोन्नति की गई है। साथ ही आदेशित किया गया है कि आप गौ रक्षा, धर्म रक्षा , नर्मदा सुरक्षा, नारी सुरक्षा करते हुए हिन्दू राष्ट्र कि स्थापना करने के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।दीपक सराठे की मध्यप्रदेश बजरंग सेना में सचिव पद पर पदोन्नति पर पंकज चौकसे शक्ति सिंह राजपूत रघुनाथ राय कन्छेदी पटेल नर्मदप्रसाद गुप्ता सतीश अग्रवाल बी डी सोनी बद्री प्रसाद चौकसे अभिषेक दुबे अप्पू सोनी संदीप तिवारी राकेश शर्मा शरद नेमा,अधिमान्य पत्रकार, सत्यम नेमा प्रवीण सेन अमित सराठे अक्षत सराठे बबलू पटेल अजीत इन्दोलिया वीरेन्द्र मेहरा कपिल नायक देवेन्द्र मेहरा राजा साहू घनश्याम साहू एवं बजरंग सेना नर्मदाखण्ड महाआरती समिति सहित सभी मित्रो ने शुभकामनाएं एवं बधाई दी।सभी ने श्री सराठे की उज्ज्वल भविष्य की।कामना की है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ईद मिलादुन्नबी

अमलाई हजरत मोहम्मद साहब का जन्मदिन ईद मिलादुन्नबी का त्यौहार अमलाई कॉलोनी में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया मुस्लिम समुदाय के द्वारा जुलूस मस्जिद से निकाला गया जो जो कि पूरे नगर में भ्रमण की जगह जगह जुलूस का स्वागत किया गयाद्य जगह जगह लंगर का वितरण किया गयाद्य जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से निकाला गयाद्य कमेटी की ओर से पुलिस प्रशासन एवं समस्त नागरिकों का आभार व्यक्त किया गयाद्य

यदि आप तक समय पर
यश भारत
नहीं पहुंच रहा है तो संपर्क करें
फोन:- 230033

गुरुदेव के अवतरण दिवस पर हुआ प्रसाद वितरण

पाटन। श्री 108 गुरुदेव आचार्य विद्यासागर जी महा मुनिराज के 75 वे अवतरण दिवस और शरद पूर्णिमा की पावन बेला पर सुविद्या नवयुवक मंडल पाटन द्वारा दयोदय पूर्ण आयु तिलवारा घाट जबलपुर पहुच कर परम पूज्य गुरु देव आचार्य श्री जी का पूजन किया साथ ही अवतरण दिवस की पावन बेला पर 7575 लड्डू का वितरण भी दयोदय में किया गया जिसमें जैन समाज पाटन महिला मंडल बालिका मंडल शामिल हुए

सहारा इंडिया में फंसे 10 हजार निवेशकों के 70 करोड़

कैमोर ब्रांच में ताला लगने की खबर से फूटा आक्रोश, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

कैमोर। सहारा इंडिया की वित्तीय शाखा द्वारा कैमोर क्षेत्र में लगभग दो दशकों से बैंकिंग कार्य किया जा रहा था। कैमोर सहित विजयराघवगढ़ और बरही क्षेत्र के हज़ारों निवेशकों के लगभग 70 करोड़ रुपये सहारा इंडिया में फंसे हैं। परिपक्वता अवधि बीत जाने के बाद भी निवेशकों को उनकी रकम का भुगतान नहीं किया जा रहा। इसी बीच सहारा इंडिया की कैमोर में संचालित ब्रांच को बंद कर उसे कटनी ब्रांच में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया है। कल कैमोर में निवेशकों को जैसे ही ब्रांच में ताला लगने की खबर मिली भारी संख्या में निवेशक सहारा ब्रांच पहुंच गए और जमकर हंगामा किया। बाद में निवेशकों की ओर से एक ज्ञापन भी एस डी एम को सौंपा गया है जिसमें निवेशकों का भुगतान होने तक सहारा इंडिया ब्रांच कैमोर में ही संचालित करने की मांग की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कैमोर क्षेत्र में सहारा इंडिया ने दो दशक पहले कैमोर क्षेत्र में अपना काम शुरू किया था। सहारा द्वारा क्षेत्र में एक सैकड़ा से भी अधिक एजेंटों के माध्यम से लोगों की बचत जमा की जाती थी। लोगों का भरोसा और विश्वास जीतने के लिए कैमोर के खलवारा बाज़ार में सहारा इंडिया ने अपनी ब्रांच भी खोली थी। सहारा के एजेंट लोगों के घर- घर जाकर उनकी छोटी बड़ी बचत लाकर ब्रांच ऑफिस में जमा करते थे। छोटे-छोटे दुकानदारों से लेकर सामान्य गृहणियों तक से प्रतिदिन किश्त कलेक्शन की जाती थी। कोई 20 रुपये कोई 50 रुपये तो कोई 100 रुपये रोज जमा करता था। इसके अलावा फिक्स डिपाजिट और रेकरिंग के माध्यम से भी लोगों की जमा पूंजी सहारा इंडिया में निवेश की गई थी। एक अनुमान के मुताबिक लगभग 10 हज़ार खाता धारकों के लगभग 70 करोड़ रुपये अभी भी सहारा इंडिया में जमा है। इनमें से अधिकांश की परिपक्वता अवधि समाप्त हो गई है पर उन्हें उनकी जमा राशि नहीं लौटाई जा रही। कभी कोविड के बहाने तो कभी कोई और बहाना बनाकर निवेशकों को भटकाया जा रहा। लोगों ने एजेंटों के माध्यम से राशि दी थी इसलिए वे एजेंटों को घेर रहे पर एजेंट कुछ नहीं कर पा रहे। बताया गया कि इसी बीच यह खबर फैल गई कि सहारा इंडिया के कैमोर स्थित ब्रांच को बंद कर कटनी ब्रांच में मर्ज किया जा रहा। 24 अक्टूबर से कैमोर ब्रांच में ताला लग जायेगा। कल सोमवार को ब्रांच का फर्नीचर आदि निकाला जा रहा था। इस खबर के फैलते ही कल भारी संख्या में निवेशक सहारा की खलवारा ब्रांच पहुंच गए और उन्होंने ब्रांच बंद किये जाने का विरोध किया। निवेशकों का कहना था कि सहारा इंडिया पहले उनकी जमा रकम लौटाये। काफी देर तक हंगामा चलता रहा जिसके चलते कल फर्नीचर नहीं खोला जा सका। निवेशकों के साथ एजेंट भी ब्रांच ऑफिस कटनी ले जाये जाने का विरोध कर रहे। काफी देर चली गहमा गहमी के बाद निवेशक कांग्रेस नेता सरवर खान के नेतृत्व में एस डी एम कार्यालय विजयराघवगढ़ पहुंचे और उन्हें ज्ञापन सौंपकर सहारा इंडिया में जमा उनकी राशि का भुगतान कराये जाने तथा भुगतान होने तक ब्रांच ऑफिस कैमोर में ही रखने की मांग की। निवेशकों ने बताया कि सहारा इंडिया के रियल स्टेट और हाउसिंग स्कीम को लेकर सुप्रीम कोर्ट में प्रकरण विचाराधीन है पर बचत योजनाओं को लेकर अभी कोई प्रकरण कोर्ट में नहीं है अतः सहारा इंडिया कोर्ट का बहाना न बनाये निवेशकों को उनकी जमा राशि अविलंब लौटाई जाए।

रोहित शर्मा और वरुण को मिल सकता है मौका !

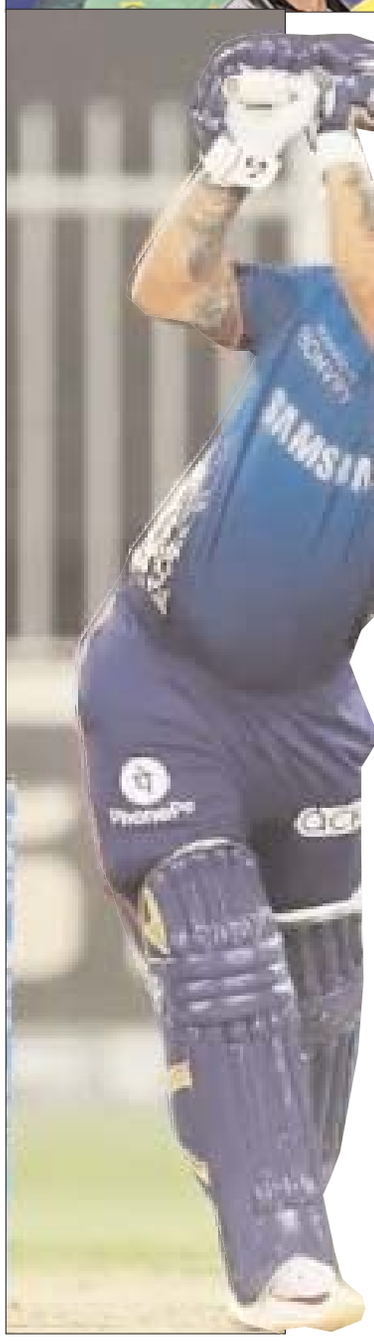

भारत का दूसरा अभ्यास मैच आज

टी-20 वर्ल्डकप 2021 में आज भारत अपना दूसरा अभ्यास मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगा। इस मैच में भारत के ओपनर रोहित शर्मा और स्पिन गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती को अभ्यास का मौका मिल सकता है। भारतीय टीम आज टी-20 वर्ल्डकप में अपना दूसरा अभ्यास मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी। इस मैच में टीम इंडिया ओपनर रोहित शर्मा और स्पिन गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती को मौका दे सकती है। वहीं ऑस्ट्रेलिया के लिए ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस गेंदबाजी करते नजर आ सकते हैं। ऑस्ट्रेलियाई ओपनर डेविड वार्नर के पास भी इस मैच में अपनी लय हासिल करने का अच्छा मौका रहेगा। वार्नर लंबे समय से रनों के लिए जूझ रहे हैं और न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले अभ्यास मैच में भी वो सस्ते में आउट हो गए थे।

पहले अभ्यास मैच में ईशान और राहुल ने दिखाई शानदार फॉर्म

इंग्लैंड के खिलाफ पहले अभ्यास मैच में भारतीय ओपनर लोकेश राहुल और ईशान किशन ने शानदार अर्धशतक लगाए थे। ऐसे में इन दोनों खिलाड़ियों को इस मैच में आराम दिया जा सकता है और रोहित शर्मा को प्रैक्टिस का मौका मिल सकता है। इसके अलावा जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी ने भी इंग्लैंड के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी की थी और इन दोनों खिलाड़ियों को भी आराम दिया जा सकता है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खुद कप्तान कोहली ज्यादा बल्लेबाजी करना चाहेंगे और हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ियों को ज्यादा बल्लेबाजी कराना चाहेंगे, जिन्हें पहले मैच में ज्यादा गेंद खेलने का मौका नहीं मिला था।

सूर्यकुमार और भुवनेश्वर की फॉर्म ने बढ़ाई चिंता

भारत के मध्यक्रम के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव और तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की खराब फॉर्म ने भारतीय खेमे की चिंता बढ़ा दी है। पहले अभ्यास मैच में सूर्यकुमार के बल्ले से रन नहीं निकले थे। इससे पहले आईपीएल में भी वो रनों के लिए जूझते नजर आए थे। हैदराबाद के खिलाफ एक मैच में उन्होंने तूफानी अर्धशतक जरूर लगाया था, लेकिन इससे पहले और इसके बाद भी उन्होंने सभी को निराश किया है। वहीं भुवनेश्वर कुमार चोट के बाद से अभी तक अपनी लय में नहीं लौटे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ भी उन्होंने जमकर रन लुटाए और विकेट भी नहीं निकाल सके। ऐसे में कोहली उनकी जगह शार्दुल ठाकुर को मौका दे सकते हैं, जो अभी शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और बल्ले से भी योगदान दे सकते हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप के क्वालिफायर राउंड में मंगलवार को दो मुकाबले हुए। यह दोनों मुकाबले ग्रुप-बी के रहे। पहले मैच में स्कॉटलैंड ने पापुआ न्यू गिनी को 17 रन से हराया। वहीं दूसरे मुकाबले में बांग्लादेश ने मेजबान ओमान को 26 रन से हरा दिया। स्कॉटलैंड के खिलाफ मिली हार के बाद बांग्लादेश के लिए यह मैच करो या मरो जैसा था। हारने पर टीम विश्व कप से बाहर हो जाती। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ। अब ग्रुप-बी में सुपर-12 राउंड के लिए क्वालीफाई करने की लड़ाई दिलचस्प हो चली है। इसमें से टॉप रहने वाली टीम भारत के ग्रुप में रहेगी। फिलहाल स्कॉटलैंड रेस में सबसे आगे है।

ओमान के गेंदबाजों का शानदार प्रदर्शन

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश ने 20 ओवर में सभी विकेट गंवाकर 153 रन बनाए। टीम के लिए ओपनर मोहम्मद नईम ने 50 गेंदों पर 64 रनों की पारी खेली। इसके अलावा शाकिब अल हसन ने 29 गेंदों पर 42 रन बनाए। बांग्लादेश के आठ बल्लेबाज तो दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। वहीं, ओमान के लिए बिलाल खान और फैयाज बट तीन-तीन विकेट झटके। इसके अलावा कलीमुल्लाह को दो और जीशान मकसूद को एक विकेट मिला।

दिलचस्प हुई भारत के ग्रुप में जगह बनाने की रेस

स्कॉटलैंड, बांग्लादेश और ओमान के बीच टक्कर

ओमान की शुरुआत अच्छी रही

154 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ओमान ने अच्छी शुरुआत की। एक समय टीम का स्कोर 12 ओवर तक तीन विकेट पर 82 रन था। जतिंदर सिंह ने 33 गेंदों पर 40 रन बनाए। वहीं कश्यप प्रजापति ने 21 रन बनाए। ओमान का चौथा विकेट 90 के स्कोर पर गिरा। इसके बाद टीम की पारी लड़खड़ा गई। बांग्लादेशी गेंदबाजों ने फिर ओमान को मैच में वापसी का मौका नहीं दिया।

रहमान-शाकिब ने ओमान को जीत से रोका

90 रन पर चार विकेट से टीम का स्कोर 112 रन पर नौ विकेट हो गया। सात बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। ओमान ने सिर्फ 22 रनों के अंदर पांच विकेट गंवा दिए। टीम 20 ओवर में नौ विकेट गंवाकर 127 रन ही बना सकी। बांग्लादेश के लिए मुस्तफिजुर रहमान ने सबसे ज्यादा चार विकेट झटके। वहीं, शाकिब को तीन और सैफुद्दीन और मेंहदी हसन को एक-एक विकेट मिला। शाकिब अल हसन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

ग्रुप-बी में टॉप पर रहने की जंग

सुपर-12 में जगह बनाने के लिए फिलहाल स्कॉटलैंड, ओमान और बांग्लादेश के बीच दिलचस्प रेस देखने को मिल रही है। इस ग्रुप से टॉप-2 टीमें सुपर-12 के लिए क्वालीफाई करेंगी। स्कॉटलैंड फिलहाल चार अंकों के साथ टॉप पर चल रहा है। वहीं, दूसरे स्थान पर ओमान और तीसरे स्थान पर बांग्लादेश है। स्कॉटलैंड और ओमान का मैच 21 अक्टूबर को खेला जाएगा, जबकि बांग्लादेश भी इसी दिन पापुआ न्यू गिनी से भिड़ेगी। अगर ओमान स्कॉटलैंड को हरा देती है और बांग्लादेश भी पापुआ न्यू गिनी को हरा देती है तो तीनों टीमों के चार-चार अंक हो जाएंगे। इसी स्थिति में जिस टीम का बेहतर रन रेट रहेगा वह सुपर-12 में जगह पक्की कर लेगी। वहीं, स्कॉटलैंड ने ओमान को हरा दिया तो टीम सीधे भारत के ग्रुप में क्वालिफाई कर लेगी। इस स्थिति में बांग्लादेश के पापुआ न्यू गिनी को हराने पर टीम दूसरे स्थान पर रहेगी और सुपर-12 में ग्रुप-1 के लिए क्वालीफाई करेगी।

मुसीबत में काम नहीं आए हार्दिक पांड्या तो ....

टीम इंडिया को भुगतना पड़ सकता है अंजाम

नई दिल्ली। 2021 के अपने अभियान को शुरू करने से पहले टीम इंडिया ने अपने दो में से एक वार्मअप मैच को जीत लिया है। दूसरा वार्मअप मैच 20 अक्टूबर को आस्ट्रेलिया के खिलाफ होना है, लेकिन अभी तक टीम इंडिया को उस सवाल का जवाब नहीं मिला है कि अगर हार्दिक पांड्या को टीम में जगह दी जाती है और वे गेंदबाजी नहीं करते हैं तो एक समय पर टीम इंडिया मुसीबत में भी आ सकती है। यहां तक कि पहले वार्मअप मैच में भी हार्दिक ने गेंदबाजी नहीं की है।दरअसल, हार्दिक पांड्या को भारतीय टीम मैनेजमेंट एक फिनिशर के रूप में मौका देने की कोशिश कर रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि वे अच्छे मैच फिनिशर हो सकते हैं और भूतकाल में उन्होंने इसे साबित भी किया है, लेकिन इसमें एक परेशानी ये है कि वे छठे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे और उनके बाद पांच गेंदबाज होंगे। परेशानी इस बात की है कि अगर किसी गेंदबाज का दिन खराब होता है तो फिर कप्तान विराट कोहली चाहकर भी उसकी जगह किसी अन्य गेंदबाज से ओवर नहीं निकलवा सकते। ग इलेवन को देखा जाए तो हार्दिक पांड्या ही एक मात्र विकल्प हैं, जो

आपको गेंदबाजी करके देते हैं, क्योंकि टाप आर्डर में रोहित शर्मा, केएल राहुल और विराट कोहली से लेकर सूर्यकुमार यादव और विकेटकीपर रिषभ पंत गेंदबाजी करते नहीं हैं। ऐसे में एकमात्र विकल्प छठे नंबर का बल्लेबाज है, जिसे कम से कम 2 ओवर गेंदबाजी के लिए तैयार रहना होता है। वहीं, हार्दिक पांड्या मौजूदा समय में गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं। ऐसे में चिंता की बात टीम इंडिया के मैनेजमेंट के लिए है। पाकिस्तान के खिलाफ ञ्20ढ्ढ में कोहली का रिकार्ड है तूफानी, 6 मैचों में 85 की औसत से बनाए हैं इतने रनमान लीजिए कि किसी दिन टीम इंडिया का पांच गेंदबाजों में से किसी एक गेंदबाज के पहले दो ओवर पिट जाते हैं तो उस स्थिति में उस गेंदबाजी की भरपाई के लिए छठे गेंदबाज को मैदान पर उतारा जाता है, लेकिन मौजूदा प्लेइंग इलेवन में हार्दिक पांड्या के अलावा कोई गेंदबाज नहीं है। ऐसे में अगर किसी दिन टीम को अपने पार्ट-टाइम गेंदबाज की जरूरत पड़ती है तो फिर हार्दिक पांड्या टीम को मुसीबत में डाल सकते हैं। ऐसे में इसका हल निकलना टीम मैनेजमेंट के लिए अबूझ पहेली बनी हुई है।

काजोल ने गुस्से में तनीषा को कहा- Shut-Up

नई दिल्ली। काजोल बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री की उन एक्ट्रेसेस में हैं जो शुमार हैं जो अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी काफी सुर्खियां बटोरती हैं। बीतें दिनों काजोल दुर्गा पूजा को लेकर काफी बिजी नजर आईं। इस दौरान परिवार के साथ उनकी कई तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुए थे। लेकिन इसी बीच अब उनका एक और वीडियो काफी सुर्खियां बटोर रहा है। इस वीडियो में वह अपनी छोटी बहन तनीषा मुखर्जी के साथ भरे पंडाल में झगड़ा करती दिखीं। एक्ट्रेस का ये वीडियो अब सबका ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। काजोल का जो वीडियो वायरल हो रहा है उसमें आप देख सकते हैं कि तनीषा और काजोल सरेआम बहस करती नजर आ रही हैं। सबके सामने ही काजोल-तनीषा को शट-अप बोलती हैं। जब दोनों बहनों के बीच ज्यादा बढ़ने लगती है तब उनकी मां यानी तनुजा को बीच में आना पड़ता है। जैसे ही तनीषा कुछ बोलने चलती हैं जिस पर उनकी मां उनको चुप करवा देती हैं। वीडियो देखकर ये साफ पता नहीं चल रहा है कि दोनों बहनों के बीच होने वाला ये झगड़ा नॉर्मल है या फिर वाकई किसी बात पर दोनों के बीच खींचा तानी हुई। हलांकि बाद में काजोल, तनीषा और उनकी मां तीनों ने मिलकर कैमरे के सामने पोज दिए। वहीं इस दौरान काजोल से तनीषा थोड़ा दूर रहने के लिए कहती हैं। वह हंसती हुई पोज देती हैं और बोलती हैं स्पेस। आपको बता दें कि इससे पहले काजोल का एक और वीडियो सामने आया था जिसमें वह लंबे समय के आद अपने अंकल से मिलकर इमोशल हो गईं थीं। वीडियो में काजोल अपने अंकल के गले लगकर रोती नजर आईं थीं। इस वीडियो को फैंस ने काफी पंसद किया था। वहीं इस पर जमकर कमेंट्स भी आए थे।

'बाहुबली' के फैंस के लिए गुड न्यूज

नई दिल्ली। 'बाहुबली' प्रभास की हर फिल्म का अब फैंस को बसेब्री से इंतजार रहता है। पिछले कुछ वक्त से प्रभास की अपकमिंग फिल्म 'राधे श्याम' काफी चर्चा में हैं। इस फिल्म में प्रभास के साथ पूजा हेगड़े लीड रोल में नज़र आएंगी। दर्शकों को फिल्म के लिए अभी कुछ महीनों का इंतज़ार करना पड़ेगा, लेकिन उससे पहले मेकर्स ने 'बाहुबली' के फैंस को खुश करने की तरकीब निकाल ली है।प्रभास ने आज अपनी फिल्म का नया पोस्टर रिलीज़ किया है जिसके साथ उन्होंने इस बात का भी ऐलान कर दिया है कि 'राधे श्याम' का टीज़र कब रिलीज़ होगा। फैंस को गुड न्यूज़ देते हुए प्रभास ने बताया है कि राधे श्याम का टीज़र अब से ठीक दो दिन बाद यानी 23 अक्टूबर को रिलीज़ किया जाएगा। फैंस के लिए ये दुगनी खुशी का मौका होगा, क्योंकि 23 अक्टूबर को प्रभास का जन्मदिन है। आपको बता दें कि 'राधे श्याम' 14 जनवरी 2022 को रिलीज़ होगी।आपको बता दें कि ये फिल्म पहले 30 जुलाई 2021 को रिलीज़ होने वाली थी, लेकिन कोविड महामारी को देखते हुए इस फिल्म की रिलीज़ डेट को भी टाल दिया गया। फिल्म के बारे में बात करें तो 'राधे श्याम' एक पीरियड रोमांटिक-ड्रामा फिल्म है। ये एक बहुभाषी फिल्म होगी जिसे हिंदी के अलावा अंग्रेजी और तेलुगू में भी रिलीज़ किया जाएगा। फ़िल्म का निर्देशन राधा कृष्ण कुमार कर रहे हैं, जबकि इसके निर्माताओं में वामसी कृष्णा रेड्डी, प्रमोद उप्पलपति और भूषण कुमार शामिल हैं। यह प्रभास के करियर की 20वीं फ़िल्म है। इसीलिए इसे ग्रैंड लेवल पर बनाया जा रहा है। फ़िल्म में हिंदी सिनेमा की वेटरन एक्ट्रेस भाग्यश्री भी एक अहम रोल में नज़र आएंगी। इस फिल्म के अलावा प्रभास दो और फिल्में स्पिरिट और सालार में भी नज़र आएंगे। इन फिल्मों के भी पोस्टर जारी कर दिए गए हैं।

12 साल की रेबेका डाउनी ने डिजाइन की स्कॉटलैंड की जर्सी

टी-20 विश्व कप के क्वालीफायर राउंड में स्कॉटलैंड ने बांग्लादेश जैसी मजबूत टीम को हराकर सबको चौंका दिया था। इस साल स्कॉटलैंड की टीम पर्पल रंग की जर्सी में मैदान पर उतरी है। यह जर्सी लोगों को काफी पसंद भी आ रही है। ऐसा कहा जा रहा है कि यह जर्सी इस साल टी-20 विश्व कप के सबसे शानदार जर्सी में से एक है। यह जानकर आपको हैरानी होगी कि इस जर्सी को 12 साल की लड़की ने डिजाइन किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने भी इस लड़की धन्यवाद दिया है।स्कॉटलैंड के शहर हैडिंगटन की रहने वाली 12 वर्षीय रेबेका डाउनी ने यह जर्सी डिजाइन की है। पर्पल कलर की इस जर्सी का डिजाइन काफी सुंदर है। स्कॉटलैंड क्रिकेट ने ट्विटर पर रेबेका का एक फोटो शेयर करते हुए यह जानकारी दी है। रेबेका बांग्लादेश और स्कॉटलैंड का मैच भी देख रही थीं। इसी तस्वीर को क्रिकेट स्कॉटलैंड ने शेयर किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा- रेबेका ने पहले मैच को देखा और उन्होंने अपने द्वारा ही डिजाइन की गई जर्सी पहनकर टीम का मनोबल बढ़ाया। हम आपका दोबारा धन्यवाद देते हैं। इसे सोशल मीडिया से लेकर क्रिकेट जगत में काफी पसंद किया जा रहा है।दरअसल, क्रिकेट स्कॉटलैंड ने 200 स्कूलों में राष्ट्रीय टीम की जर्सी को डिजाइन करने के लिए बच्चों से कहा था। हजारों बच्चों ने अलग-अलग तरह के डिजाइन दिखाए, लेकिन रेबेका के डिजाइन को चुना गया। क्रिकेट फैंस ने भी सोशल मीडिया पर रेबेका के इस हुनर की तारीफ की है। फैंस ने बाकी देशों से भी इस प्रकार की मुहीम शुरू करने की अपील की है।रेबेका के बारे में जानकर आईसीसी भी हैरान रह गया। उन्होंने इस ट्वीट पर रिएक्ट करते हुए ट्वीट किया और लिखा, क्या कमाल का किट है, कमाल का काम किया है रेबेका ने।मैच की बात करें तो स्कॉटलैंड ने पहले मैच में जीत हासिल की थी। बांग्लादेश के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 140 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश की स्टार खिलाड़ियों से भरी टीम सिर्फ 134 रन ही बना सकी। इसके बाद स्कॉटलैंड पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ भी जीत दर्ज करने की दहलीज पर खड़ी है। स्कॉटलैंड ने सुपर-12 में पहुंचने का अपना दावा मजबूत कर लिया है।

जबलपुर की घटना पर गृहमंत्री नरोम मिश्रा का बयान

उपद्रवियों को बशा नहीं जाएगा

5 हिरासत में , 24 नामजद चिन्हित

जबलपुर, यशभारत। मिलौनीगंज के मछली मार्केट में ईद मिलादुन्नवी के जुलूस के दौरान शांतिभंग करने का प्रयास करने वाले उपद्रवियों को लेकर मध्यप्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने एक बयान में कहा कि जबलपुर के उपद्रवियों को बख्शा नहीं जाएगा। अब तक जबलपुर पुलिस ने 5 उपद्रवियों को हिरासत में लेकर 24 को नामजद चिन्हित किया है। गृहमंत्री ने दो टूक कहा कि शांति व्यवस्था को भंग करने वालों को किसी भी सूरत में नहीं छोड़ा जाएगा। जबलपुर की घटना को लेकर विभाग के उच्चाधिकारियों से चर्चा की जा रही है जो भी दोषी है उस पर कड़ी कार्रवाई करने को कहा गया है।

उल्लेखनीय है कि मछली मार्केट में मंगलवार की दोपहर 3.30 बजे शुरू हुआ विवाद शाम 5.30 बजे तक चलता रहा। दो घंटे बाद भी न तो पत्थरबाज नकाबपोश उपद्रवी पीछे हटने को तैयार थे और न पुलिस ही उपद्रवियों को आगे बढ़ने दे रही थी। उपद्रवियों ने कई बार पुलिस की तरफ बढ़ने की कोशिश की। उन्हें रोकने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। निकलने वाली गैस का असर जवानों पर भी पड़ा। मछली मार्केट से गोहलपुर व चारखंबा सड़क के तिराहे पर डटी पुलिस ने पत्थरबाजों को आगे नहीं बढ़ने दिया।

पुलिस-प्रशासन की सजगता से हालात काबू में हुए

पुलिस-प्रशासन की सजगता और सूझबूझ से हालात पर काबू पा लिया गया। विवाद के बीच कलेक्टर कर्मवीर शर्मा व एसपी सिद्धार्थ बहुगुणा खुद मौके पर पहुंच गए थे। वहां पहले से एएसपी सिटी रोहित काशवानी, सीएसपी दीपक मिश्रा, अखिलेश गौर, थाना प्रभारी अरविंद चौबे, मधुर पटेरिया, शैलेष मिश्रा और आरआई सौरव तिवारी मोर्चा संभाले हुए थे। पुलिस ने मछली मार्केट तिराहे पर भीड़ को न रोका होता, तो वे अंजुमन तक मिश्रित आबादी में घुस गए होते।

पुलिस पर पटाखे फेकने से हुआ विवाद

मछली मार्केट में तनाव की स्थित तब बनी, जब कुछ असामाजिक तत्वों ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों पर पटाखे फेंके और पथराव किया। पुलिस को बचाव में हल्का बल प्रयोग करना पड़ा और हालात पर नियंत्रण पाने के लिये अश्रु गैस का इस्तेमाल किया गया।

मुयमंत्री आज शाम गौ शाला संचालकों को समानित करेंगे

जबलपुर। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आज जबलपुर और पन्ना में दो महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में सम्मिलित हो रहे हैं। जबलपुर में श्री विद्या सागर जीवदया गौ सेवा सम्मान योजना में प्रादेशिक कार्यक्रम हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान दोपहर बाद जबलपुर के तिलवारा घाट स्थित दयोदय पशु संवर्धन एवं पर्यावरण केन्द्र गौ शाला में आचार्य श्री विद्या सागर जी के सानिध्य में प्रदेश की उत्कृष्ट गौ शालाओं और जीवदया के क्षेत्र में कार्य करने वाले समाज सेवियों को सम्मानित करेंगे।मुख्यमंत्री श्री चौहान 20 अक्टूबर की शाम पन्ना में किशोर जू, जगन्नाथ स्वामी जू सहित समस्त मंदिरों के दर्शन करेंगे और पन्ना में धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान प्राणनाथ मंदिर पहुँचकर शरद पूर्णिमा महोत्सव में भी शामिल होंगे। इस महोत्सव में गुजरात सहित देश के विभिन्न प्रांतों के धामी संप्रदाय के अनुयायी प्रतिवर्ष हिस्सा लेते हैं।

हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस आरवी मलिमथ ने संभाला कार्यभार

जस्टिस विवेक अग्रवाल को दिलाई शपथ

जबलपुर, यशभारत। मप्र हाईकोर्ट के नए चीफ जस्टिस आरवी मलिमथ का आज सुबह हाईकोर्ट के साऊथ ब्लॉक में स्वागत समारोह आयोजित किया गया। नए चीफ जस्टिस ने कार्यभार संभालते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट से ट्रांसफर होकर आए चीफ जस्टिस विवेक अग्रवाल को शपथ दिलाई। । इस दौरान जबलपुर, इंदौर व ग्वालियर बेंच के न्यायाधीशगण वर्चुअल तौर पर शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि जस्टिस अग्रवाल पांच जुलाई, 2016 को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में न्यायाधीश बनाए गए थे। इसके बाद 16 अक्टूबर, 2019 को इलाहाबाद हाई कोर्ट स्थानांतरित कर दिए गए थे।

पनागर में स्कूटी से ढो रहे थे कच्ची शराब - 23 हजार की मदिरा जब्त

जबलपुर, यशभारत। पनागर के सिंगलदीप पर पुलिस ने दबिश देकर स्कूटी सवार दो युवकों को दबोच लिया। जिनके कब्जे से करीब 23 हजार की कच्ची शराब जब्त कर, कार्रवाई की गई। जानकारी अनुसार पुलिस को सूचना मिली कि 2 व्यक्ति स्कूटी में 2 बोरों में प्लेन देशी शराब भरे हुये बरौदा तरफ से सिंगलदीप तरफ जा रहे है । सूचना पर सिंगलदीप तिराहे पर दबिश दी गयी जहां स्कूटी क्रमांक एमपी 20 एसवाई 4650 को रोका गया। इस दौरान एक व्यक्ति पुलिस को देखकर भाग गया। वहीं, दूसरा आरोपी नवीन बर्मन उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम पुरैना ने भागने वाले का नाम विकास पटैल निवासी बम्हनौदा बताया। तलाशी लेने पर दोनों बोरों में कुल 310 पाव देशी प्लेन शराब कीमती लगभग 23 हजार रूपये की रखी मिली। पूछताछ करने पर आरोपी ने बताया कि वह साथी विकास पटैल के साथ मिलकर शराब का काम करता है। पुलिस ने आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये फरार आरोपी विकास पटैल की सरगर्मी से तलाश कर रही है।

खमरिया फै ट्री के पेंशन सेल में भड़की आग

जबलपुर यशभारत।आयुध निर्माणी खमरिया में मंगलवार की सुबह करीब साढ़े नौ बजे उस समय हड़कंप मच गया जब पेंशन सेल में आग भड़क उठी।तत्काल कर्मचारियों ने अनुभाग मे रखे फायर एक्सिंगट्यूसर का उपयोग कर आग पर काबू पा लिया।सूत्रों के अनुसार इस घटना में कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेजोंको क्षति पहुंची है।प्रबंधन से संपर्क करने पर इसे मामूली क्षति बताया गया है। बताया गया कि सीलिंग फेन मे अचानक शार्ट सर्किट से आग लगी और सीलिंग फेन नीचे गिर गया।जिससे टेबल पर आगामी दिनों सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों अधिकारियों के तैयार कागजात रखे थे।फैक्ट्री प्रबंधन की ओर से पी आर ओ दिनेश कुमार/डीजीएम ने आग की पुष्टि करते हुए कहा कि समय पर आग बुझा ली गई है मात्र कुछ कागज जले हैं।

कई सर्विस रिकॉर्ड जलने की खबर प्रबंधन ने कहा मामूली नुकसान

कहीं यह साजिश तो नहीं ?

यूं तो फैक्ट्री प्रबंधन ने इसे सामान्य और छोटी घटना बताया है लेकिन फैक्ट्री परिसर में चर्चा है कि यह साजिश का एक हिस्सा है।पूर्व में यहां पदस्थ जे डब्ल्यू एम एम पर आरोप है कि उन्होंने कुछ विसंगतियां की थी।इसकी सप्रमाण जानकारी महाप्रबंधक को दिये जाने के बाद उन्हें अन्यत्र स्थानांतरित कर जांच भीकी जा रही है।बहरहाल फैक्ट्री प्रबंधन ने इसकी बोर्ड आफ इंक्वायरी बैठा दी है।

इनका कहना है

पेंशन सेल में आग की घटना पंखे मे शार्ट सर्किट से निकली चिंगारी से हुई है।जिसमें कुछ पेपर मात्र जले हैं।विशेष कोई नुकसान नहीं हुआ है।न ही किसी प्रकार की साजिश है।

दिनेश कुमार
उप महाप्रबंधक/प्रशासन

आलूबंडा-समोसा बेचने वाला सिस्टम से हारा

मकान बनाने मिलने थे ढाई लाख मिले सिर्फ 1 लाख , जहर खाकर दी जान

जबलपुर, यशभारत। गढ़ा के त्रिपुरी चौक में आलूबंडा-समोसा का ठेला लगाने वाले 52 वर्षीय अधेड़ ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। मृतक का मकान अतिक्रमण कार्रवाई के दौरान तोड़ दिया गया था जिसे तिलहरी में मकान बनाने के लिए शासन से 2.50 लाख रुपए मिलने थे लेकिन उसे 1 लाख रुपए ही मिले। इतने कम पैसों में मकान नहीं बन पाने का तनाव अधेड़ झेल नहीं पाया और उसने आत्महत्या कर ली।

मेडिकल शव लेने पहुंचे परिजनों ने बताया कि शिव शंकर कोष्ठा उम्र 52 साल चौहानी में रहते थे। अतिक्रमण कार्रवाई में उनका मकान गिरा दिया गया था और तेवर में प्रशासन ने जमीन दी थी। पर पूरी रकम नहीं मिल पाने के करण उन्होंने तनाव में आकर जहर पी लिया।

त्रिपुरी चौक में थी चाय-नाश्ते की दुकान

जानकारी अनुसार शिवशंकर की त्रिपुरी चौक में चाय-नाश्ते की दुकान थी। एक लड़का इंजीनियर की पढ़ाई कर, भोपाल में जॉब की तलाश में गया था और दूसरा लड़का जबलपुर में मजदूरी करता है।

1 लाख आए थे बैंक खाते में

परिजनों ने बताया कि घोषणा हुई थी कि 2.50 लाख दिए जाएंगे। लेकिन बैंक खाते में केवल एक लाख रुपए आए थे। जिसके चलते शिवशंकर कोष्ठा ने गढ़ा में ही अपनी फैमली को किराए पर रखते थे और खुद तिलहरी में टपरिया बनाकर रहते थे, क्योंकि एक लाख का तो केवल लोहा और रेत बस आती, मकान कैसे बन सकता था। इसी के चलते वह तनाव में था। पुलिस ने मर्ग कायम कर, मामला जांच में लिया है।

अनियंत्रित ट्रक खाई में गिरा, चालक गंभीर

108 एंबुलेंस की मदद से मेडिकल रेफर

जबलपुर यश भारत। बरगी थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुलकी ग्राम के पास आज सुबह एक ट्रक खाई में गिर गया। इस दुर्घटना की खबर लगते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक में फंसे चालक को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकालकर 108 एंबुलेंस की मदद से मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया। आज तड़के 4:30 बजे हुई इस सड़क दुर्घटना के संबंध में पुलिस ने बताया कि कटनी की ओर से आटा एवं मैदा लोड करके एक ट्रक तमिल नाडु जा रहा था वाहन जैसे ही बरगी थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुलकी ग्राम के पास पहुंचा कि अचानक अनियंत्रित होकर ,खाई में पलट गया इस दुर्घटना में ट्रक चालक को गंभीर चोट आई है और उसे मेडिकल अस्पताल रवाना किया गया । जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

5 घर के अंदर चल रही थी शराब फैक्ट्री महिलाएं गिरतार

जबलपुर यश भारत। मझौली पुलिस ने दो अलग-अलग ठिकानों पर दबिश देकर घर में चल रही शराब फैक्ट्री पकड़ी और लाहन एवं अन्य सामग्री नष्ट कर 5 महिलाओं के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर उन्हें हिरासत में लिया। यह कार्रवाई एसआई रामसनेही पटेल प्रधान आरक्षक प्रदीप गौतम आरक्षक अनुज कंसाना द्वारा की गई।

मझौली पुलिस ने बताया कि हरदौल मंदिर के पास रहने वाली हीराबाई आरती एवं शीला घर के अंदर शराब फैक्ट्री बनाकर अवैध रूप से कच्ची शराब उतार कर उसे आसपास के क्षेत्रों में बेच रही थी इसी तरह से काकरदेही ग्राम में भी पुलिस ने दबिश देकर 2 महिलाओं के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया जहां पर राजकुमारी एवं ज्योति घर के अंदर कच्ची शराब उतारकर आसपास के आसपास के क्षेत्रों में शराब की सप्लाई करती थीं पुलिस को मुखबिर खास से सूचना मिलते ही वह तत्काल हरकत में आई और अलग-अलग ठिकानों में दबिश देकर 5 महिलाओं को हिरासत में लेते हुए उनके विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई मौके से कच्ची शराब एवं एक कुंतल महुआ लहान नष्ट किया गया उक्त कार्रवाई वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन पर की गई।

नर्मदा महोत्सव का प्रतीकात्मक आयोजन

जबलपुर। भेड़ाघाट में नर्मदा महोत्सव के प्रतीकात्मक आयोजन पर सांसद राकेश सिंह ने मां नर्मदा की पूजा की ।

अज्ञात वाहन से कुचलने पर मजदूर की मौत

जबलपुर, यशभारत। भेड़ाघाट के आमाहिनौता में एक बाइक सवार मजदूर की अज्ञात वाहन के कुचलने से मौत हो गयी। हादसा उस वक्त हुआ जब मजदूर काम से छूटने के बाद भेड़ाघाट घूमने जा रहा था। हादसे के बाद आनन-फानन में राहगीरों ने खून से लथपथ युवक को मेडिकल में भर्ती करवाया, जहां इलाज के दौरान दरमियानी रात 2.30 बजे उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने मामला दर्ज कर, मर्ग कायम करते हुए मामला जांच में लिया है। जानकारी अनुसार सनी श्रीपाल उम्र 24 वषज् पिता लेखराम श्रीपाल तेवर का निवासी था और पेशे से मजदूर था। मंगलवार को सनी अपनी बाइक से काम से छूटने के बाद भेड़ाघाट घूमने जा रहा था, तभी आमाहिनौता पुरानी बैंक के पास किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी।

बाइक से जा रहा था भेड़ाघाट घूमने, आमाहिनौता में हुआ हादसा, क्षेत्र में सनसनी

सिर में आई थी गंभीर चोट

जानकारी अनुसार जिस समय हादसा हुआ, मजदूर हेलमेट नहीं पहने हुए था। हादसे में चोट सीधे सिर में लगी। राहगीरों ने जब मजदूर को सड़क के किनारे तड़फते हुए देखा तो तुरंत 108 से मेडिकल अस्पताल में भर्ती करवाया, लेकिन खून अधिक बहने के कारण उसे नहीं बचाया जा सका।

मैं अब किसके सहारे रहूं

सनी की दो साल पहले ही शादी हुई थी। उसकी डेढ़ वर्ष की बच्ची है। हादसे की खबर जैसे ही उसकी पत्नी ने सुनी तो बदहवास होकर मृतक को बार-बार उठाने का प्रयास करती रही और यही कहती रही कि अब वह किसके सहारे रहेगी। जिसके बाद पुलिस कर्मी और परिजनों ने उसे सम्हाला।

सीसीटीव्ही फुटेज खंगाल रही पुलिस

वहीं मामले की जांच कर रही पुलिस घटना स्थल के सीसीटीव्ही फुटेज खंगाल रही है, ताकि आरोपी तक पहुंचा जा सके। जिस वक्त यह हादसा हुआ बाइक में मजदूर अकेला सवार था। पुलिस रिश्तेदारों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर, आरोपी की सरगर्मी से तलाश कर रही है।

बरेला की शराब दुकान के सामने अचानक गिरा अधेड़, हो गई मौत

जबलपुर, यशभारत। बरेला में अंग्रेजी शराब दुकान के समीप उस समय हड़कंप मच गया जब एक अधेड़ सड़क के किनारे अचानक गिरा और उसकी मौत हो गयी। यह खबर लगते ही लोगों की भीड़ लग गई। जिसके बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पीएम के लिए भेजते हुए मामले को जांच में लिया है। बरेला थाना प्रभारी मुनीश कोल ने बताया कि परबत पिता डुमारी लाल उरैती उम्र 53 वर्ष, डुंगरिया थाना बीजाडांडी का निवासी है। जो दीपावली की तैयारी के चलते घर के लिए राशन लेने बरेला पहुंचा था जहां अचानक गिरने से उसकी मौत हो गई। क्षेत्रीय लोगों ने जानकारी दी कि अधेड़ बस से उतरकर कुछ दूर पैदल चला और अचानक से गिर गया। थोड़ी देर तक उसके नहीं उठने पर पास जाकर देखा तो उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस जांच कर रही है, पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चला कि अधेड़ की मौत कैसे हुई।

बीजाडांडी से राशन लेने पहुंचा था बरेला

रांझी में बदमाश पर नुकीली चम्मच से हमला

जबलपुर, यशभारत। रांझी के बड़ा पत्थर में नूडल्स दुकान संचालक ने एक बदमाश पर नुकीली चम्मच से हमला कर घायल कर दिया। दुकान संचालक बदमाश से करीब दो साल से प्रताड़ित था और इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई और आरोपी ने बदमाश के पेट में नुकीली चम्मच घोंप दी। रांझी पुलिस ने शिकायत पर मामले को जांच में लेते हुए आरोपी को अभिरक्षा में लिया है। विजय परस्ते थान प्रभारी रांझी ने बताया कि पीड़ित मोहित केवट निवासी बड़ा पत्थर के ऊपर नूडल्स दुकान संचालक रोहित सेन पिता विनोद सेन निवासी बड़ा पत्थर रांझी ने नुकील चम्मच से कई वार कर घायल कर दिया।

पुराना बदमाश है मोहित-

थाना प्रभारी परस्ते ने बताया कि पीड़ित मोहित केवट क्षेत्र का पुरान बदमाश है। जिसके ऊपर 4-5 मामले दर्ज है। पकड़े गए आरोपी रोहित सेन ने पूछताछ में बताया है कि पीड़ित उसे लगातार गालीगलौच कर प्रताड़ित करता रहता था। जिससे वह परेशान था। पुलिस ने मामला कायम कर, जांच में लिया है।

अब नये परिवेश में - दीपावली की शुभकामनाएं
आफिस, शोरुम, निवास की सजावट के लिए पर्दा क्लाथ की नई रेंज, गृह शोभा के आइटम
न्यू लक्ष्मी एपोरियम
लोरिंग एंड फर्नाशिंग, पर्दा एवं सोफा लाथ, वाल पेपर मिंक कबल, मैरिज सेट टॉवल, रजाईयां।
दैनिक भास्कर के सामने
3 /15 सिविक सेंटर मढ़ाताल जबलपुर
फोन- 0761-2481262, 362
एक बार अवश्य पधारें

लक्ष्मी एम्पोरियम के 38वें वर्ष में प्रवेश
दीपावली की शुभकामनाएं , खरीदी हेतु आमंत्रित
लक्ष्मी एपोरियम
लेडीज-जेंट्स शाल स्टाल,
कश्मीरी सेमी पेशमीना, जमावार फैंसी
रंग डिजाइन, मिंक कम्बल,
रजाईयां, मैरिज सैट टॉवल, बेडकवर,
मछरहाई (दुर्गा मंदिर के सामने) 905 जवाहरगंज जबलपुर
फोन- 2481229, 2481944
एक बार अवश्य पधारें

अब नई शृंखला के साथ
KARAN SHOES
MALVIYA CHOWK | ANAND CINEMA ROAD NEAR 4th BRIDGE | KATANGA CROSSING | NAYA BAZAR MALVIYA CHOWK

Roasted Food Junction
Pure & Tasty AK's Special
गर्मी के मौसम में स्पेशल सत्तू चने का उपलब्ध है। अब हमारे नये शोरूम गोरखपुर में
अशोक कुमार अजित कुमार
गुलाबी चना, मुरमुरा, बोल्ड चना, केला चिप्स, बोल्ड पीनट, मसाला चना, ड्राय मेल, चना जौर गर्म
मो. -9301997304,7987145201

SONY Panasonic INTEX Kurl-on Haier Godrej SAMSUNG USHA PHILIPS & All Product
आसान किश्तों पर आसान शर्तों पर
बेटी की शादी का पूरा फर्नीचर सागौन द्वारा निर्मित
मिश्रा फर्नीचर्स एण्ड इन्टरप्राइजेज
सरकारी कुंआ, शीतलामाई रोड, जबलपुर फोन नं. 2626496 मो. 9827235010
शादियों के लिए विशेष पैकेज उपलब्ध
फर्नीचर्स वारंटी पर उपलब्ध

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा एन.एम. पब्लिकेशन प्रा.लि. उखरी चौक जबलपुर से मुद्रित एवं 160/जी, जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*। फोन (0761) 2643333, 2646666, फैक्स : 4084085। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/19-21 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)